दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 252
मुरादाबाद
(Saturday)
03 January 2026
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने की वित्त विभाग की समीक्षा, सभी विभागों को बजट खर्च में तेजी लाने के दिये निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वित्त विभाग की समीक्षा बैठक में बजट खर्च करने को लेकर अफसरों को निर्देश दिए साथ ही कहा कि हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा विभिन्न विभागों को जारी बजट के व्यय को लेकर वित्त विभाग की समीक्षा बैठक की। बैठक में वर्तमान वित्तीय वर्ष में विभागों के बजट प्राविधान के सापेक्ष शासन द्वारा जारी स्वीकृतियों, विभागाध्यक्ष द्वारा

आवंटन, व्यय आदि की अद्धयावधिक प्रगति पर अधिक बजट प्राविधान वाले प्रमुख 20 विभागों का प्रस्तुतिकरण किया गया।जिन विभागों में बजट व्यय में प्रगति धीमी, वे लाएं तेजी, हर अधिकारी की तय हो जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रमुख 20 विभागों के प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी प्रमुख विभाग के उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी विभाग समय से आवंटन बजट का इस्तेमाल करें ताकि परियोजनाएं और योजनाएं समय से पूरी हो सकें और प्रदेशवासी इन योजनाओं लाभ उठा सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट को समय से खर्च करने के लिए अधिकारी निर्णय लेने का सामर्थ्य विकसित करें। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, वह इसमें तेजी लाएं। साथ ही बजट को समय से खर्च करने के लिए हर स्तर पर एक-एक अधिकारी की

जिम्मेदारी और जवाबदेही तय हो। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी विभाग के अधिकारी तुंरत निर्णय लें। उन्होंने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय से बजट व्यय नहीं हो पाता है। ऐसे में निर्णय लेने में तेजी दिखाएं। विभाग मंत्री, एसीएस और प्रमुख सचिव केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए दिल्ली जाएं और पैरवी करें- मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है। इसमें तेजी लाने के लिए विभागीय मंत्री और अधिकारी आपस में समन्वय बनाकर हर माह बैठक करें।

उन्होंने ने वित्त विभाग को निर्देश दिये कि जिन विभागों के आवंटन बजट के कुछ अंश को अभी तक किंहीं कारणों से जारी नहीं किया गया है, उन विभागों को तत्काल बजट आवंटित करें। उन्होंने सभी प्रमुख 20 विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन विभागों को विभिन्न योजनाओं के लिए केंद्र सरकार से बजट जारी किया जाता है। इसके लिए विभाग के मंत्री, अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव दिल्ली जाकर केंद्र सरकार से बजट जारी करने के लिए पैरवी करें। इसके साथ ही केंद्र सरकार को पत्र लिखें और फोन से फालोअप करें। इसको लेकर मुख्य सचिव भी पहल करें। उन्होंने अपने कार्यालय को निर्देश दिये कि जिन विभागों में बजट व्यय की प्रगति धीमी है, उनको चिह्नित करें और उनके विभाग के मंत्रियों को मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से पत्र जारी करें। अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट की नई कार्ययोजना पर अभी से शुरू कर दें तैयारियां- मुख्यमंत्री ने बैठक में वित्त विभाग को निर्देश दिये कि अगले वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट को लेकर अभी से सभी विभागों के साथ बैठक कर बजट मांग की समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट को विभाग आवंटित करने से पहले उनके पिछले पांच वर्ष के खर्च के आकंलन की समीक्षा करें। उन्होंने निर्देश दिये कि वित्त विभाग नई कार्ययोजना को लेकर अभी से तैयारी शुरू कर दे। वहीं, केंद्र सरकार से आगामी बजट आवंटन को लेकर बेहतर समन्वय बनाएं ताकि समय से केंद्र सरकार से बजट मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

बरेली में भाजपा विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल का निधन, बैठक के दौरान हुआ हार्ट अटैक; एक दिन पहले था जन्मदिन

उत्तर प्रदेश के बरेली से बड़ी खबर सामने आई है। यहां फरीदपुर से भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का निधन हो गया। वह शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री की बैठक में शामिल हुए थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। बरेली में फरीदपुर से भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल का शुक्रवार को निधन हो गया। वह सर्किट हाउस में पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह की बैठक में मौजूद थे। बैठक के दौरान ही अचानक उनको हृदयाघात (हार्ट अटैक) हुआ था। उन्हें उनके सहयोगियों ने वहां से ले जाकर आनन फानन मेडीसिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया।डॉ विमल भारद्वाज के मुताबिक सीने में अचानक तेज दर्द होने पर विधायक श्याम बिहारी लाल को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भर्ती किए जाने तक उनकी हालत काफी बिगड़ चुकी थी। उन्हें बचाने के लिए सीपीआर समेत तमाम चिकित्सकीय प्रयास किए, लेकिन उनकी हालत बिगड़ती चली गई। वेंटीलेटर पर लिए गए लेकिन बचाया नहीं जा सका।बता दें कि विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल ने एक दिन पहले ही अपना जन्मदिन मनाया था। उनके निधन की खबर मिलते ही राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। भाजपा नेता समेत तमाम लोग उनके आवास व अस्पताल पहुंच गए। फरीदपुर से दो बार चुने गए 2017 में फरीदपुर विधानसभा (आरक्षित) सीट से भाजपा के टिकट पर जीतकर विधानसभा पहुंचे थे।

पीएम खामोश, दूषित पानी के मामले पर राहुल गांधी ने साधा निशाना

राहुल गांधी ने इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एमपी की सरकार पर संवेदनहीन होने का आरोप लगाया और साथ ही इस पूरे मामले पर प्रधानमंत्री की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। मध्य प्रदेश के इंदौर में दूषित पानी की वजह से हुई 15 मौतों के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने निशाना साधा। राहुल गांधी ने एक्स पर साझा पोस्ट में कहा, इंदौर में पानी नहीं, जहर बंटा और प्रशासन कुंभकर्णी नींद में रहा। घर-घर मातम है, गरीब बेबस हैं - और ऊपर से BJP नेताओं के अहंकारी बयान। जिनके घरों में चूल्हा बुझा है, उन्हें सांत्वना चाहिए थी; सरकार ने घमंड परोस दिया। लोगों ने बार-बार गंदे, बदबूदार पानी की शिकायत की - फिर भी सुनवाई क्यों नहीं हुई? राहुल गांधी ने पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल-राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा, %सीवर पीने के पानी में कैसे मिला? समय रहते सप्लाई बंद क्यों नहीं हुई? जिम्मेदार अफसरों और नेताओं पर कार्रवाई कब होगी? ये 'फोकट' सवाल नहीं - ये जवाबदेही की मांग है। साफ पानी एहसान नहीं, जीवन का अधिकार है और इस अधिकार की हत्या के लिए BJP का डबल इंजन, उसका लापरवाह प्रशासन और संवेदनहीन नेतृत्व पूरी तरह ज़िम्मेदार है। मध्यप्रदेश अब कुप्रशासन का एपिसेंटर बन चुका है - कहीं खांसी की सिरप से मौतें, कहीं सरकारी अस्पताल में बच्चों की जान लेने वाले चूहे, और अब सीवर मिला पानी पीकर मौतें। और जब-जब गरीब मरते हैं, मोदी जी हमेशा की तरह खामोश रहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में खरगे ने लिखा,

जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत अभियान का ढिंढोरा पीटने वाली प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह इंदौर में दूषित पानी पीने से हुई मौतों को लेकर मौन हैं। खरगे ने लिखा, इंदौर के पास सबसे साफ शहर का खिताब है, लेकिन भाजपा के निकम्मेपन के चलते लोग साफ पानी के मोहताज हैं।% खरगे ने बिफरते हुए लिखा, %देश 11 साल से खोखले दावे और डबन इंजन की डींगे सुन रहा है। जब मंत्री जी से सवाल पूछा जाता है तो वे गाली गलौज पर उतर आते हैं। उल्टा पत्रकार पर हावी हो जाते हैं। जल जीवन मिशन समेत हर योजना में भ्रष्टाचार और धांधली है। मोदी सरकार देश को न साफ पानी मुहैया करा पा रही है और न ही स्वच्छ हवा। आम जनता भुगत रही है।

बांग्लादेश से रिश्ते सुधारना मोदी सरकार की असली परीक्षा, विदेश नीति पर ओवैसी की भाजपा को खरी-खरी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि बांग्लादेश के साथ पुराने रिश्तों को बहाल करना मोदी सरकार की असली परीक्षा है। उन्होंने बांग्लादेश की स्थिरता को भारत की सुरक्षा के लिए अहम बताया। भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ते तनाव के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मोदी सरकार को कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ पुराने और भरोसेमंद रिश्तों को फिर से मजबूत करना केंद्र सरकार की असली परीक्षा है। ओवैसी ने साफ कहा कि पड़ोसी देश की स्थिरता भारत की सुरक्षा से सीधे जुड़ी है, खासकर पूर्वोत्तर राज्यों के लिए।हैदराबाद में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ओवैसी ने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक हालात और भारत-बांग्लादेश संबंधों में किसी भी तरह की गिरावट भारत के हित में नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के रिश्तों में आगे कोई और तनाव नहीं आएगा और संवाद के जरिए भरोसा बहाल किया जाएगा।बांग्लादेश की स्थिरता पर जोर- ओवैसी ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिरता भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी है, खासकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में। उन्होंने इसे रणनीतिक दृष्टि से अहम बताते हुए कहा कि अगर पड़ोसी देश अस्थिर होता है तो इसका असर सीमा सुरक्षा, आंतरिक स्थिरता और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। उनके मुताबिक, इस चुनौती से निपटना मोदी सरकार की बड़ी जिम्मेदारी है।चीन के दावे पर सवाल ओवैसी ने चीन के उस दावे पर भी कड़ा एतराज जताया, जिसमें कहा गया कि उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की थी। ओवैसी ने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस दावे का आधिकारिक रूप से खंडन करे। उन्होंने कहा कि चीन पाकिस्तान को हथियार और खुफिया मदद देता रहा है, ऐसे में उसकी मध्यस्थता का दावा भारत के लिए स्वीकार्य नहीं हो सकता। ऑपरेशन सिंदूर और भारत का रुख- ओवैसी ने याद दिलाया कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने साफ किया था कि संघर्ष का समाधान किसी तीसरे पक्ष के बिना, सीधे सैन्य स्तर पर बातचीत से हुआ। भारत का रुख स्पष्ट है कि किसी भी तरह की बाहरी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की जाएगी। इस मुद्दे पर देश को भरोसे में लेना चाहिए। इसके साथ ही ओवैसी ने इंदौर जल प्रदूषण हादसे को लेकर भाजपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार बुनियादी सुविधाएं देने में नाकाम रही है और केवल राजनीतिक कार्रवाई पर ध्यान दे रही है। उन्होंने दावा किया कि स्वच्छ पानी जैसी जरूरी सुविधाएं देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

इंदौर में काल बना दूषित पानीः CM मोहन ने आयुक्त से मांगा जवाब;अपर आयुक्त, प्रभारी अधीक्षण यंत्री पर गिरी गाज

इंदौर में दूषित पानी पीने से 15 मौतों और 100 से अधिक लोगों के बीमार होने के मामले में जांच जारी है। सीएम मोहन यादव ने घटना को लेकर आयुक्त से जवाब मांगा है और अपर आयुक्त तथा प्रभारी अधीक्षण यंत्री पर एक्शन लिया है। वहीं, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय और पार्षद ने साजिश की आशंका जताई है। इंदौर में दूषित पानी पीने से 15 लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की घटना ने शहर में हड़कंप मचा दिया है। कई अन्य लोग भी बीमार पड़े हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय जांच टीम का गठन किया है। इस गंभीर घटना को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर नगर निगम आयुक्त से जवाब मांगा है, जबकि अपर आयुक्त और प्रभारी अधीक्षण यंत्री पर कड़ा एक्शन लिया है। इधर, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने घटना को लेकर साजिश की आशंका जताई है।

वहीं, प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने घटना को लेकर सोशल मीडिया ङ्क पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा कि आज सुबह मुख्य सचिव और अन्य अधिकारियों के साथ इंदौर के दूषित पेयजल प्रकरण में राज्य शासन द्वारा की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अपर मुख्य सचिव (नगरीय प्रशासन एवं विकास) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर भी चर्चा की।उन्होंने आगे लिखा कि इंदौर नगर निगम आयुक्त और अपर आयुक्त को इस सम्बन्ध में कारण बताओ नोटिस जारी करने, अपर आयुक्त को तत्काल इंदौर से हटाने और प्रभारी अधीक्षण यंत्री से जल वितरण कार्य विभाग का प्रभार वापस लेने के निर्देश दिए।

इंदौर नगर निगम में आवश्यक पदों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ति करने के निर्देश भी दिए।पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय ने कहा कि मामले की जांच अभी चल रही है और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इतनी अधिक मौतों का वास्तविक कारण क्या था। उन्होंने यह भी कहा कि केवल गंदे पानी से इतनी मौतें होना संभव नहीं लगता और इसके पीछे किसी बड़ी साजिश की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।जांच रिपोर्ट का इंतजार- घटना को लेकर विभिन्न स्तरों पर जांच जारी है। प्रशासन और सरकार की ओर से गठित टीम की रिपोर्ट आने के बाद ही मौतों के पीछे के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

संपादकीय Editorial

A Basket of Himachali Products

The upcoming MSME Fest in Shimla, aimed at elevating traditional skills to new heights, is generating considerable excitement and curiosity. The theme, "One District, One Product Basket," showcases the land's treasure, a platter of traditions, and the entrepreneurship of self-reliance. For example, in addition to Chamba handkerchiefs, Kangra paintings, and traditional Kullu shawls, the new Himachal will be recognized through agricultural product processing, amla processing, steel furniture, packaging, mushrooms, technological advancement in tourism, seabuckthorn, chulli oil, and Kangra tea, along with their strengths in e-commerce and trade relations with national demand. This will undoubtedly inspire domestic, small, and medium-sized industries to increase demand for their products. Understanding Himachal's products, markets, and new styles will reveal the rural soil, innovation, the need for self-employment, the potential for startups, and the diversity of industries. For example, the catechu industry in Una, in addition to traditional trade, is a strong support for the rural economy and forest products. The roti, sold as prasad at the Deotsidh temple, is a commercial product with its own uniqueness and potential, offering a future for the state's unique heritage. Similarly, products like Jwalamukhi Peda and Dhoop (incense) create a distinct market niche. If hard work is put into Chamba's chappals and chukh, the business landscape will change. Similarly, if the design, decoration, and cost of Himachal's traditional jewelry are improved through trade, every district will yield a wealth of products. While some major jewelry brands can give Himachal's traditional jewelry a commercial touch, the Department of Industry's intervention can showcase traditional markets in their new potential. It's heartening to see the government organizing products of all kinds and giving the market a voice. While the Department of Industry is leading this campaign, departments like Rural Development, Urban Development, and Tribal Development must ensure the survival of these original sources. Himachal's traditional food is not the only commercial powerhouse, but some remedies can also offer health benefits. Regardless of how many products will bring fame to their respective districts on the Ridge between January 3rd and 5th, the initiative must be truly protected and promoted. Items can be displayed, but preserving centuries of manufacturing practices requires a focus on education. Today, the entire Bharmour region has descended to Kangra, Kinnaur has found shelter in Solan and Chandigarh, and Pangi and Lahaul have ventured into the spring of Kullu and Manali. Therefore, policies and advocacy are needed to promote traditional or local products. Community schools and colleges are needed that protect every product in the environment. For example, if the college in Nagrota Surian is transformed into the State College of Fisheries Studies and entrepreneurship is promoted there, the fisheries industry will foster self-reliance and a market. If the college, harnessing the potential of Kullu's handicrafts, is transformed into a symbol of international standards in design and production, it will be more than just shawls and mufflers, but a new fashion marvel from Himachal. We believe that certain schools and colleges should be granted state-level status, aligned with their mission to address industries and traditional products. A state-level industrial and management college should be established in the BBN region, while the goals of every university in the state should include not only undergraduate and postgraduate status, but also the emergence

It is necessary to save the Aravalli; a new definition is scientifically and ecologically dangerous.

The Supreme Court's recent decision has provided an opportunity to advance this debate in a scientific, geological, and ecological context, and has signaled a need to re-evaluate it with administrative accountability and judicial discretion. The Supreme Court stayed the old definition of the Aravalli. The 100-meter height limit was ecologically dangerous. The formation of an expert committee is proposed for scientific review. Recently, the Supreme Court stayed its own decision regarding the definition of the Aravalli range. That decision had approved the recognition of only hills with a height of 100 meters as Aravalli. As a result, many smaller, but ecologically important landforms could have been excluded from legal protection. This has led to environmental protests and legal questions. The Supreme Court, while staying its previous decision, stated that a scientific, environmental, and legal review is necessary before it can be implemented. The court has proposed the formation of an expert committee to comprehensively study all issues related to the definition, mining regulations, protected areas, and ecological sustainability. The latest decision indicates that the Supreme Court itself recognizes the scientific and ecological implications of its earlier decision. The Supreme Court's November 20, 2025, order approving a uniform definition of the Aravalli Range has long been presented as administrative clarity. This order could undermine the legal and ecological protections of India's oldest mountain range, especially when it is already under unprecedented pressure. The Aravalli Range is a geological system approximately two billion years old, controlling groundwater recharge, preventing desertification, moderating climate, and supporting the livelihoods of millions of people in northwest India. Defining it solely by altitude was not only scientifically incorrect but also ecologically dangerous. The committee whose report based the said order acknowledges that slope and elevation vary widely across the Aravalli landscape. According to the committee, the average slope in 23 of the 34 Aravalli districts is less than six degrees, while in 12 districts it is less than three degrees. The report correctly concluded that using slope and elevation alone as criteria would increase discrepancies. Despite this, the final recommendation upheld the 100-meter threshold. This contradicted the fundamental principles of scientific reasoning and administrative discretion. The 100-meter threshold was arbitrary in Indian geomorphological conditions. The average elevation in the Aravalli districts ranges from 100–200 meters in some areas to over 600 meters in only one district. Applying a uniform threshold in such diversity is contrary to the principles of the Geological Survey of India and the Survey of India. Similarly, the 500-meter "range connectivity rule" was also worrying. It states that two or more hills within 500 meters would be considered one Aravalli range. This has no geological basis and no precedent in Indian mountain system mapping. Of greatest concern was the committee's suggestion to allow mining of critical minerals in the Aravalli regions. This would have opened the legal door to mining in the most fragile core areas. The Aravalli is not less fragile, but more fragile. The Aravalli Range stretches across Rajasthan, Haryana, Delhi, and Gujarat. Its rocks are old and fragile. The Supreme Court has repeatedly recognized the Aravalli Range as an ecological shield against desertification. Any definition that reduces this protection limit is contrary to both science and judicial practice. The Aravalli Range is an ancient geological, water-cycle, and ecological system that sustains water resources, desertification control, and local life in northwest India. The Aravalli crisis will not be resolved by short-term administrative measures. Sustainable, science-based solutions are required. Environmentalists have been advocating for the establishment of a National Aravalli Development Authority. Mining in environmentally sensitive areas such as ridgetops, forested hills, and wildlife corridors should be completely banned, without any blanket exemptions, because once mined, the Aravalli Range can never be restored. The Aravallis must receive permanent legal recognition, either as an environmentally sensitive area under the Environment Protection Act, 1986, or by creating a new legal category as India's ancient mountain heritage system. The Aravallis cannot be defined solely by altitude. They are a geological, hydrological, and ecological system that sustains northwest India. If we weaken its definition, its protection will be weakened tomorrow, and by the time we see the damage, it will be too late. The Supreme Court's recent decision provides an opportunity to advance this debate in scientific, geological, and ecological terms, and to reassess it with administrative accountability and judicial discretion.

Weak links need to be addressed, and PM Modi will have to make some tough decisions.

A nightclub in Goa was a prime example of gross negligence at the administrative and administrative level. A fire at the club killed 25 people and injured many others. The club was operating without several necessary approvals. Its entry and exit routes were so narrow that they posed significant obstacles to rescue and relief operations. The Indigo crisis, Aravalli mining, and Delhi pollution are major challenges. A lack of capable ministers and bureaucrats in governance and administration. Prime Minister Modi needs to make tough decisions. The new year has brought some new challenges. The country, and especially Prime Minister Modi, must face these challenges. Naturally, some of these challenges have links to the previous year. Prime Minister Modi skillfully handled the challenges arising from the uncertainty created by Donald Trump's policies in a However, the issues of the Indigo capital's pollution remain relief granted to a former MLA also shocking. However, the Court's decision. The people nightclub fire were also victims corruption. It was also during the last quarter of the Prime Minister lacks competent central level but also at the state a transparent and effective why did the aviation regulator of the market? How did it receive

global framework plagued by instability. crisis, Aravalli mining, and the national extremely troubling. The Delhi High Court's serving a sentence for raping a minor was Supreme Court later overturned the High burned alive in the devastating Goa of the state government's incompetence and unfortunate that all such cases occurred year, which in turn demonstrates that the ministers and bureaucrats, not only at the level, who can help implement the plans of government. Regarding the Indigo case, allow this company to capture 65 percent such permission to expand its operations that it could manipulate the regulator? Consequently, questions about the structure and functioning of the DGCA are natural. Are its officials competent enough to discharge their duties, or are they merely bureaucrats appointed to it? These questions remain unanswered even weeks after a significant portion of air traffic was virtually halted in early December. Regarding the Aravalli issue, the Union Environment Ministry defended the Supreme Court's November decision on the matter. However, the Supreme Court later decided to stay that decision. In November, the court accepted a bizarre definition provided by a government-appointed "expert panel," categorizing the Aravalli Hills as hills 100 meters or higher. While the ministry vehemently defended the opinion of its so-called "expert committee," the Supreme Court took a contrary stance in its latest order. As for the government's "expert committee," most of its members were bureaucrats, not environmental experts. Media questions played a significant role in the shift in stance on this issue. It was also through the media that the shocking information emerged that the government expedited the approval of dozens of mining leases immediately after the Supreme Court's November decision. If this is true, it highlights the profound irony of the mining mafia's influence on the entire landscape. The government's failure to provide timely clarity on this issue has damaged its image. It's no secret that the capital, Delhi, is setting new records in terms of pollution, but the Environment Ministry has done nothing significant to change this situation. Last year, the AQI reached 500 to 1,000 on certain days, but the Environment Ministry prioritized blame-shifting instead of addressing any issues. Sometimes, the finger was pointed at stubble burning, sometimes at the Aam Aadmi Party. The Delhi government also appeared inactive in formulating an effective plan to combat pollution. As a result, Delhi has become an extremely dangerous city to live in. People are feeling helpless. This is also damaging the image of the central government. In the final days of last year, the Delhi High Court's relief granted to former MLA Kuldeep Singh Sengar, convicted in the Unnao rape case, was also a topic of discussion. The Solicitor General, representing the CBI, appealed for a stay on the High Court's order, and the Supreme Court overturned the High Court's decision. Sengar was expelled from the BJP a few years ago after the case surfaced, but the key question remains: why was such a person inducted into the BJP in the first place? This entire case raises numerous legal questions, as Sengar is also in jail for the murder of the victim's father. The media's stance also played a significant role in the crackdown on Sengar. The Goa nightclub was also a glaring example of gross negligence at the administrative and administrative level. A fire at the club killed 25 people and injured many more. The club was operating without several necessary approvals. Its entry and exit routes were so narrow that they hampered rescue and relief operations. Was this not foreseeable? Therefore, it's natural to question whose authority secured the club's license and whose responsible personnel ensured security. Why didn't they understand their responsibility to take care of the arrangements? Given this scenario, it's essential to say that the time has come for the Prime Minister to make some tough decisions. He will have to make some tough decisions, from the composition of the Union Cabinet to those who run the governments in BJP-ruled states. Otherwise, unpleasant incidents will negatively impact his image. To avoid such a situation, he must take a firm stand immediately.

रफ्तार का कहर: मुरादाबाद जिले में एक साल में 340 की जान गई, दुर्घटना की सूचना देने वाले को मिलेंगे 25 हजार

मुरादाबाद जिले में वर्ष 2024-25 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई। इसमें 340 लोगों की मौत और 800 से अधिक लोग घायल हुए। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ पर अधिकारियों ने तेज रफ्तार को दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बताते हुए सड़क सुरक्षा नियमों के सख्त पालन और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। मुरादाबाद जिले में सड़क दुर्घटनाओं में पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में सड़क दुर्घटनाओं में 340 लोगों ने अपनी जान गंवाई है, साथ ही 800 लोग घायल भी हुए हैं। यह आंकड़ा चिंता का विषय है, इस कम किया जाना आवश्यक है। यह बात बृहस्पतिवार को संभागीय परिवहन कार्यालय में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ के मौके पर कही गई। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त ने दीप जलाकर किया। इस दौरान 20 ऑटो को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के बाद उन्होंने कहा कि वर्ष 2024-2025 में कई भीषण दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें अनेक लोगों ने अपना जीवन खोया है।सभी सड़क दुर्घटनाओं का कारण लोगों द्वारा लंबी दूरी की यात्रा को कम से कम समय में तय करने के लिए तेजगति से वाहनों को चलाना है। पुलिस अधीक्षक (यातायात) ने बताया कि वर्ष 2024-2025 में जिले में हुई सड़क दुर्घटनाओं में 340 लोगों की मौत व 800 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

जिले में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या पांच गुना बढ़ी है। इसे कम करने के लिए प्रयासों को तेज करना होगा।

आरटीओ(प्रशासन) राजेश सिंह ने कहा कि एनसीसी के कैडेट्स जिस प्रकार से एनसीसी के प्रशिक्षण के दौरान नियमबद्ध अनुशासित रहते हैं। उसी प्रकार यह सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति सजग, जागरूक रहेंगे और उनका पालन करेंगे, तभी सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

इस मौके पर एआरटीओ (प्रशासन) आंजनेय सिंह, एआरटीओ (प्रवर्तन) आनंद निर्मल, एआरटीओ हरिओम, मालकर अधिकारी नरेंद्र सिंह छाबड़ा, एआरएम प्रेम सिंह, एआरएम राजवती आदि मौजूद रहे।दुर्घटना की सूचना देने वाले को मिलेंगे 25 हजार

आरटीओ(प्रशासन) राजेश सिंह ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल होने वाले व्यक्तियों की मदद के लिए राह-वीर योजना का संचालन किया गया है।

इसमें किसी भी सड़क दुर्घटना की सूचना 108, 112 नंबर पर देने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। डिप्टी सीएमओ डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव ने कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को जिला अस्पताल लाने वाले लोग अपने विषय में कोई भी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध नहीं कराते हैं। इसके कारण वह राह-वीर योजना का लाभ नहीं ले पाते हैं।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: सभी दलों ने कसी कमर... बनाए गए 7385 मतदाता, मतदान की तारीख जल्द होगी घोषित

शिक्षक एमएलसी चुनाव की तिथि अभी घोषित नहीं हुई है। इसके बाद भी मुरादाबाद-बरेली निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा, सपा और कांग्रेस ने संगठन स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सपा ने हाजी मोहम्मद दानिश अख्तर को प्रत्याशी घोषित कर अभी प्रत्याशी तय किए बिना मतदाता सूची और ने शिक्षक एमएलसी चुनाव न लड़ने का फैसला घोषित नहीं की गई है लेकिन मुरादाबाद-बरेली संगठन स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। अभी तक नहीं किया है। भाजपा ने बूथ स्तर पर शिक्षक काफी जोर लगाया था।इसी प्रकार सपा और कांग्रेस आकाश पाल का कहना है कि अभी पार्टी की संगठन स्तर पर वोट बनवाने के लिए प्रयास किया साथ सक्रिय हो जाएगा।सपा ने हाजी मोहम्मद कर दिया था। सपा की तरफ से लगातार चुनाव को प्रत्याशी घोषित नहीं किया है लेकिन संगठन पाठक कोआर्डिनेटर भी नियुक्त किया है। उनका है। बसपा ने शिक्षक एमएलसी चुनाव में उतरने से निर्मल सागर का कहना है कि पार्टी ने किसी को एमएलसी का चुनाव नहीं लड़ेगी। शिक्षक एमएलसी निर्वाचन को 7385 मतदाता बनाए - शिक्षक एमएलसी निर्वाचन के लिए जिला प्रशासन छह जनवरी को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करेगा। जिले में 7385 शिक्षक मतदाता बनाए गए हैं। जिला प्रशासन ने शिक्षक एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र मुरादाबाद-बरेली के लिए दावे और आपत्तियों का निस्तारण लगभग पूरा कर लिया है। इस मामले में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह जनवरी को किया जाएगा। जिला उप निर्वाचन अधिकारी संगीता गौतम ने बताया कि मतदाता सूची में मुरादाबाद सदर तहसील क्षेत्र के 4590 शिक्षक मतदाता, कांठ के 957, ठाकुरद्वारा के 959, बिलारी तहसील क्षेत्र के 879 मतदाता शामिल हैं। सूची के अंतिम प्रकाशन की तैयारी पूरी कर ली गई है। बता दें कि मुरादाबाद-बरेली एमएलसी निर्वाचन क्षेत्र में नौ जिले शामिल हैं।

प्रचार तेज कर दिया है, जबकि भाजपा और कांग्रेस संगठनात्मक मजबूती पर काम कर रही हैं। बसपा किया है।शिक्षक एमएलसी निर्वाचन के लिए तिथि निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा, सपा और कांग्रेस ने सपा को छोड़कर अन्य दलों ने प्रत्याशी भी घोषित मतदाताओं को सूची में शामिल करने के लिए ने अपने हिसाब से तैयारी की है। भाजपा जिलाध्यक्ष तरफ से प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है लेकिन गया है। प्रत्याशी घोषित होने पर पूरा संगठन उसके दानिश अख्तर को अक्तूबर में ही प्रत्याशी घोषित प्रचार भी किया जा रहा है। कांग्रेस ने अभी किसी स्तर पर तैयारी चल रही है। कांग्रेस ने सुधीर कहना है कि अभी पार्टी ने प्रत्याशी तय नहीं किया मना कर दिया है। इस मामले में बसपा के जिलाध्यक्ष प्रत्याशी घोषित नहीं किया है। पार्टी शिक्षक

नए साल के पहले दिन पुलिस का टोटका, गुडवर्क दर्ज कर केस की शुरुआत, एआई के दौर में अभी भी कामय यह प्रथा

एआई और साइबर क्राइम के बढ़ते दौर के बीच यूपी पुलिस ने साल के पहले दिन शुभ संकेत मानते हुए गुडवर्क की प्राथमिकी से शुरुआत की। इसके तहत नशीले पदार्थों की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले दर्ज किए गए। इसकी तैयारी थाना प्रभारियों ने पहले से कर रखी थी।बढ़ते एआई के चलन और साइबर क्राइम के इस दौर में पुलिस टोना टोटका के चक्कर में फंसी है। साल के पहले दिन पुलिस ने गुडवर्क की प्राथमिकी से शुरुआत की है। इसके पीछे पुलिस का तर्क है कि साल भर अच्छा रहता है। थाना प्रभारियों ने 31 दिसंबर को इसकी तैयारी कर ली थी।कुछ थानों में दूसरी तहरीर आई तो पहले गुडवर्क की प्राथमिकी दर्ज की हैं। नशीले पदार्थों की बरामद की और आरोपियों से गिरफ्तारी से संबंधित मामले दर्ज की किए गए हैं। थाना प्रभारियों ने भी चौकी इंचार्ज और दरोगाओं को एक दिन पहले ही बता दिया था कि वह अपने अपने क्षेत्र में अभियान चलाएं और आरोपियों की गिरफ्तारी करें।सिविल लाइंस में तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार

सिविल लाइंस थाने में पहली प्राथमिकी तमंचा बरामदगी से संबंधित में दर्ज की है। सब इंस्पेक्टर विनीत कुमार ने कटघर के रहमत नगर निवासी इमरान के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि वह संदिग्ध हालत घूम रहे इमरान को पकड़कर तलाशी ली गई तो उसे तमंचा और कारतूस बरामद हुए। आरोपी किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। बिलारी में जुआ खेलते पकड़े आरोपी - बिलारी थाने में एसआई विपिन कुमार ने बिलारी के हरौरा गांव पिनवासी सुरेश और उसके अन्य साथियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें बताया गया कि आरोपी जुआ खेल रहे थे। 13 जी एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की गई है। भोजपुर में गैंगस्टर एक्ट में प्राथमिकी दर्ज - भोजपुर थाने में इंस्पेक्टर संजय कुमार की ओर से गैंगस्टर एक्ट में पांच लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है जिसमें बताया गया कि भोजपुर के वाजिद नगर निवासी शौकीन पहलवान, मुर्सरत, नजर मोहम्मद, आस मोहम्मद और निजाम गैंग बनाकर पशुओं की तस्करी करते हैं। शौकीन पहलवान इस गिरोह का सरगना है जबकि बाकी आरोपी सदस्य हैं। कटघर में तीन आरोपी गिरफ्तार, सोने के जेवर बरामद - कटघर थाने में भी पुलिस ने गुडवर्क के मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। एसआई सुनील राठी की ओर दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि गलशहीद के कटार शहीद निवासी शान मोहम्मद, उसके भाई गुल मोहम्मद, कटघर के रहमत नगर निवासी इस्तियाक से तलाशी में 216 ग्राम सोने के जेवर बरामद हुए हैं। बृहस्पतिवार को पुलिस ने तीनों को कोर्ट में पेश किया जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

हिंसा के साजिशकर्ता शारिक साटा के खिलाफ फिर केस... संपत्ति होगी कुर्क, मस्जिद और मदरसा होगा ध्वस्त

संभल में जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल के मुख्य साजिशकर्ता शारिक साटा की संपत्ति कुर्क करने की तैयारी है। शारिक साटा पर हत्या, बवाल की साजिश समेत गंभीर आरोप हैं। उधर, सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद और मदरसे को ध्वस्त किया जाएगा। संभल में 24 निवासी शारिक साटा की संपत्ति कुर्क करने की तैयारी है। आरोपी के में हाजिर नहीं होने के चलते विवेचकों ने कराई है।इसी क्रम में अब जाना है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि शारिक साटा के दीपा था।उसकी अवधि भी पूरी निकल गई है लेकिन आरोपी न्यायालय में हाजिर दर्ज कराई है। एसपी ने बताया कि शारिक साटा के खिलाफ मुख्य अपराध मामले दर्ज हैं।शारिक साटा के गिरोह के सदस्य मुल्ला अफरोज, गुलाम और भी कार्रवाई हो चुकी है। शारिक साटा ने इन्हीं तीन गुर्गों को हथियार जबकि 28 पुलिसकर्मी और एक एसडीएम घायल हुए थे। मालूम हो शारिक

अलावा हथियार, सोना और नकली नोट की तस्करी करने के आरोप में घिरा है। उसके संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से भी दिल्ली पुलिस को मिल चुके हैं। सरकारी जमीन पर कब्जा कर मस्जिद करवाई तैयार- गांव सलेमपुर सलार उर्फ हाजीपुर निवासी मस्जिद के मुतवल्ली हाजी शमीम पर आरोप है कि उन्होंने 439 वर्ग मीटर अवैध कब्जा कर मस्जिद का निर्माण किया है। इसके नजदीक ही मस्जिद से पहले का बनाया गया मदरसा है। वह भी सरकारी जमीन पर है। इसको राजस्व विभाग ने अवैध माना है। 14 जून 2018 को दी आख्या के आधार पर तहसीलदार के न्यायालय में मामला चला। साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर सरकारी जमीन ही तय हुई और मुतवल्ली को बेदखल करने के निर्देश हुए। अब कब्जा मुक्त करने की कार्रवाई आगे बढ़ रही है। करीब आठ लाख रुपये मुतवल्ली पर जुर्माना भी लगाया गया है। प्रशासन ने लोगों ने इस निर्माण को खुद ही तोड़ने को कहा है।

नवंबर 2024 को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल में मुख्य साजिशकर्ता दीपा सराय खिलाफ धारा 209 बीएनएस के तहत तीन रिपोर्ट दर्ज हो चुकी हैं। यह कार्रवाई न्यायालय बृहस्पतिवार को एसआईटी ने आरोपी की संपत्ति की जांच की है। जिसको कुर्क किया सराय स्थित घर पर एसआईटी ने बीएनएसएस की धारा 84 के तहत नोटिस चस्पा किया नहीं हुआ। इसी क्रम में एसआईटी में शामिल इंस्पेक्टर मेघपाल ने नखासा थाने में रिपोर्ट संख्या 340/24 और 306/24 में हत्या, बवाल की साजिश व अन्य गंभीर अपराध के वारिस को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसमें मुल्ला अफरोज के खिलाफ एनएसए के तहत उपलब्ध कराए थे और बवाल में गोली चलवाई थी। जिसमें आम लोगों की जान गई थी। साटा दुबई में रहकर अपना गिरोह चलाता है। वह देश का बड़ा वाहन चोर है। इसके

संक्षिप्त समाचार

कब्रिस्तान की जमीन पर अतिक्रमण में 48 लोगों को नोटिस, जामा मस्जिद क्षेत्र में प्रशासन की कार्रवाई

संभल में जामा मस्जिद से सटे कब्रिस्तान की भूमि पर कथित अतिक्रमण के मामले में प्रशासन ने 48 लोगों को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है। 30 दिसंबर को भारी सुरक्षा के बीच हुई पूरे क्षेत्र में नापजोख की गई थी। जवाब संतोषजनक न होने पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।विवादित जामा मस्जिद-श्री हरिहर मंदिर क्षेत्र से सटी कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध अतिक्रमण के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। इस संबंध में 48 लोगों को नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा है।अधिकारियों के अनुसार, कोटपूर्वी इलाके में स्थित इस भूमि की पैमाइश 30 दिसंबर को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कराई गई थी। यह कार्रवाई कब्रिस्तान की जमीन पर मकान और दुकानों के अवैध निर्माण की शिकायत मिलने के बाद की गई थी।नाप-जोख के दौरान राजस्व विभाग की टीम ने कथित अतिक्रमण की स्थिति का आकलन किया। तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जांच में 48 लोग अनधिकृत रूप से भूमि पर कब्जा किए पाए गए, जिन्हें शुक्रवार को नोटिस सौंपे गए हैं। सभी को 15 दिन के भीतर अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया है। जवाब मिलने के बाद उनकी विधिक जांच की जाएगी। यदि स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाया गया तो प्रशासन अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करेगा। तहसीलदार ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट में 22 मकान और दुकानों का जिक्र था लेकिन मौके पर कई परिवार निवास करते मिले। इसी कारण प्रत्येक कब्जाधारी को अलग-अलग नोटिस जारी किया गया। इससे इसकी संख्या बढ़कर 48 हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, शिकायत में बताया गया है कि प्लॉट संख्या 32/2 की लगभग 4780 वर्ग मीटर भूमि पर अतिक्रमण किया गया है। माना जा रहा है कि यह अतिक्रमण 60 से 65 वर्ष पुराने हैं। इसी तथ्य को स्पष्ट करने के लिए राजस्व विभाग ने भूमि मापन की प्रक्रिया पूरी की है। प्रशासन ने साफ किया है कि पूरी कार्रवाई कानून के दायरे में रहकर की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पशुधन व दुग्ध विकास मंत्री ने जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ की बैठक

स्कूलों में नैतिक शिक्षा व खेलों पर दिया जाए जोर- मा0 धर्मपाल सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में वर्ष 2026 के बरेली के प्रस्तावित मुख्य विकास कार्य, पंचायत चुनाव व अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं, मकर संक्रांति के अवसर पर कानून व्यवस्था सम्बन्धी बैठक सर्किट हाउस में सम्पन्न हुई।

सर्व प्रथम सभी को नववर्ष की बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 2025 बरेली में शासन व प्रशासन द्वारा बहुत अच्छा कार्य हुआ है,

जिसके कारण जनता का रुख बदला तथा बरेली की जनता ने इसे सराहा है। मा0 मुख्यमंत्री जी ने भी कहा कि यदि किसी को कानून का पाठ पढ़ना है तो बरेली से सीखें। उनके द्वारा उत्तम कानून व्यवस्था का हवाला देते हुए बरेली का उदाहरण दिया जाता है।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार की निर्णायक, नीतियों व दृष्टिकोण 2025 में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। वर्ष-2026 भी अच्छा रहे, इसके लिये ध्यान देना होगा। बरेली में किसानों को खाद, बीज, सिंचाई, बिजली की उपलब्धता तथा पशुपालन पर भी ध्यान दिया जाए। पशुपालकों की संख्या घटती जा रही है, दूध सभी को शुद्ध चाहिये लेकिन पशुपालन कोई नहीं करना चाहता, चारे का रकबा भी निरंतर उ.प्र. में कम होता जा रहा है। अत: इस ओर विशेष रुप से ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बकरी/सुअर/भेड़/मुर्गी पालन की योजनाओं में बैंक सहयोग करें, जिससे आमजन को लोन मिल सकें और इसे अपना सकें।

मंत्री जी ने कहा कि बरेली पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। नाथ नगरी में शिव मंदिरों के कारण नाथ कॉरिडोर विकसित हो रहा है। अत: पर्यटकों के आवागमन के दृष्टिगत कनेक्टीविटी पर भी ध्यान दिया जाये और हवाई यात्रा उड़ाने बढ़ायी जाएं।

मंत्री जी ने कहा कि स्कूलों में नैतिक शिक्षा व खेलों पर जोर दिया जाए, जिससे नई पीढ़ी मोबाइल की लत से दूर रह सकें। ठण्ड के दृष्टिगत समस्त नगर निकायों में अलाव व रैन

बसेरों को सक्रीय रखा जाए। आगामी में मकर सक्रांति व माघ पूर्णिमा को सफलता पूर्वक आयोजित किए जाने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही साइबर अपराधों को रोकने हेतु कदम उठाने के भी निर्देश दिए गए।

वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ0 अरूण कुमार ने कहा कि हर खेत पर मेड़ और हर मेड़ पर पेड़ लगाए जाने का संदेश दिया। नगर निगम की बसों को पुन: तहसील स्तर तक संचालित किए जाने के लिए जनप्रतिनिधियों द्वारा कहा गया।

बैठक में जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि एकीकृत कृषि के अन्तर्गत खेती के साथ मछली पालन व अन्य पशुपालन भी जनपद के कृषकों द्वारा अपनाया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि योजना में जनपद प्रदेश में चौथे नम्बर पर है, युवाओं को व्यवसाय के लिए ऋण दिया जा रहा है। खाद की कालाबाजारी को रोकने स्थानीय स्तर पर नीति बनायी गयी है, जिला कृषि अधिकारी और कॉपरेटिव के माध्यम से प्रतिदिन रिपोर्ट ली जाती है। बिजली की व्यवस्था भी ठीक है, अधिकांश ठण्ड के कारण वर्तमान में बिजली की खपत अधिक है, इसलिए कुछ समस्या आ रही है।

ओटीएस के अन्तर्गत लोग अपना बिल समायोजित करा रहे हैं, जिससे राजस्व की प्राप्ति हो रही है।

अयोध्या की तर्ज पर नाथ नगरी को भी विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। चार धाम हेतु हवाई यात्रा शुरु किए जाने हेतु प्रयास किया जा रहा है।

एसएसपी ने बताया कि साइबर क्राइम की शिकायत दर्ज करवाने हेतु 1930 पर कॉल कर सकते हैं। इस पर शिकायत दर्ज करवाने को पीड़ित के खाते पर धन निकासी के लिए रोक लगा दी जाती है, जिससे पीड़ित का आर्थिक नुकसान होने से बच जाता है। उन्होंने बताया कि फर्जी आईडी पर सिम कार्ड बेचने वालों को चिन्हित कर उन पर कार्यवाही की जा रही है।

बैठक में वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ0 अरूण कुमार, सांसद बरेली छत्रपाल गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, विधान परिषद सदस्य हरिसिंह ढिल्लो व बहोरन लाल मौर्य, विधायक नवाबगंज एमपीआर्य, बिथरी चैनपुर विधायक डॉ0 राघवेन्द्र शर्मा, फरीदपुर विधायक श्याम बिहारी लाल, कैण्ट विधायक संजीव अग्रवाल, विधायक मीरगंज डॉ0 डीसी वर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष ब्रज क्षेत्र दुग्विजय सिंह शाक्य, बरेली जिलाअध्यक्ष सोमपाल शर्मा, जिलाअध्यक्ष आंवला आदेश प्रताप सिंह, ब्लाक प्रमुखगण सहित अधिकारियों में मण्डलायुक्त भूपेन्द्र एस0 चौधरी, जिलाधिकारी अविनाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मुठभेड़ एक गोकश के पैर में लगी गोली, एक गिरफ्तार दूसरा फरार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। इज्जतनगर थाना क्षेत्र में बीती देर रात गोकशों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। सैदपुर बाग के पास हुई इस मुठभेड़ में एक गोकश के पैर में गोली लगी, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। मुठभेड़ के दौरान एक सिपाही भी घायल हुआ है। इज्जतनगर पुलिस गुरुवार रात चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान सैदपुर चुन्नीलाल की ओर से स्कूटी पर आ रहे दो संदिग्ध स्कूटी सवार बदमाशों को रोकने का प्रयास किया गया। इस पर वे दोनों भागने लगे और स्कूटी फिसलने से गिरे तो एक बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी।

बैरियर 2 से बड़ा बाईपास मार्ग तक बीडीए ने किया चौड़ीकरण का कार्य शुरू , राहगीरों को जाम से मिलेगी निजात

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। एयरपोर्ट कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने और लोगों को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बैरियर 2 से बड़े बाईपास मार्ग तक चौड़ीकरण का कार्य बीते दिवस शुरू कर दिया है।

इस कार्य का उद्घाटन बीडीए उपाध्यक्ष डॉ मनिकंडन ए. ने किया। वहीं मार्ग को निरीक्षण कर गुणवत्ता पूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। इस संबंध में बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. मनिकंडन ए ने बताया कि चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण होने पर होने से शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ता और सुगमता मिलेगी। शहर में निरंतर बढ़ रहे यातायात दबाव के चलते शहर में आने-जाने वाले नागरिकों को बेहतर, सुरक्षित और सुचारू यातायात सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस परियोजना को प्राधिकरण की नगरीय अवस्थापना निधि के अंतर्गत स्वीकृत किया गया है। इसके अतिरिक्त, बरेली एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी को और अधिक सशक्त एवं सुगम बनाने के लिए भी यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। इस मार्ग के चौड़ीकरण से पीलीभीत, लखनऊ एवं अन्य प्रमुख मार्गों से आने-जाने वाले वाहनों को सुगम आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। वहीं इस कार्य को गुणवत्ता व समयबद्धता के साथ ही पूर्ण कराने के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं।

श्रीहरि मंदिर महिला मण्डल द्वारा सेवा में एक कदम और बढ़ाया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्रीहरि मंदिर महिला मंडल द्वारा अध्यक्ष रेनू छाबड़ा के नेतृत्व में सेवा में एक कदम और बढ़ाते हुए पुन: कड़कड़ाती ठंड में राहगीरों के लिए पुलाव एवं चाय का वितरण श्रीहरि के मुख्य द्वार पर शुक्रवार को सेवा की गई। सेवा में अध्यक्ष रेनू छाबड़ा ,उपाध्यक्ष कंचन अरोरा, नीलम साहनी, नेहा आनंद, सीमा तनेजा,अलका छाबड़ा, सोनिका आहुजा आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों को फाइलों के साथ- साथ अब पढ़ना होगा क्रिमिनल लॉ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत पीसीएस अधिकारियों को क्रिमिनल लॉ, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट, आरटीआई, साइबर सिक्योरिटी जैसे छह पाठ्यक्रम पूर्ण करना है। इस संबंध में विशेष सचिव विनीत प्रकाश ने सभी जिलों को पत्र जारी किया है। पत्र के बाद डीएम ने एडीएम एफ/आर को संबंधित अधिकारियों का प्रशिक्षण पूर्ण कराने का निर्देश दिया है। मिशन कर्मयोगी के आईजीओटी पोर्टल पर उत्तर प्रदेश प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों के लिए जीरो से 9, 9 से 16 और 16 से 25 वर्ष की सेवा अवधि के अनुसार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निर्धारित किए गए हैं। हर अधिकारी को छह पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है। इनमें तीन पाठ्यक्रम कंपलसरी कोर्स की श्रेणी में रखे गए हैं। ऑप्शनल कोर्स कैटेगरी में रखे पाठ्यक्रमों में किन्हीं तीन को अनिवार्य रूप से पूर्ण करना है। शून्य से 9 वर्ष की सेवा अवधि वाले अधिकारियों के क्रिमिनल लॉ, नेशनल हाईवे प्रोजेक्ट और राइट टू इनफार्मेशन का कोर्स अनिवार्य है।

विश्वहिन्दू महासंघ उत्तरप्रदेश ने रामौतार पाठक को बनाया जिला सह-प्रभारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश तथा गोरक्षपीठाधीश्वर योगी महाराज जी में आस्था रखने मार्गदर्शन एवं विचार-विमर्श के बदलाव किया गया है। प्रदेश आदेशानुसार तथा संभाग प्रभारी प्रभारी ओमपाल मौर्य एवं बरेली निर्देशन में रामौतार पाठक को करते हुए जिला सह-प्रभारी के

वाले संगठन के कार्यकर्ताओं के पश्चात महत्वपूर्ण संगठनात्मक अध्यक्ष भिखारी प्रजापति के शरद प्रजापति जी, बरेली मंडल जिलाध्यक्ष देवेश कुमार पटेल के बरेली में जिला मंत्री पद से पदोन्नत पद पर नियुक्त किया गया है। संगठन ने उनके कार्यों, समर्पण एवं संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा है। इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश की ओर से उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल कार्यकाल के लिए हार्दिक मंगलकामनाएँ दी गईं। मंडल प्रभारी बरेली ओमपाल मौर्य ने रामौतार पाठक को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनकी नियुक्ति से संगठन और अधिक सशक्त एवं गतिशील होगा।

शहर में स्थाई एवं अस्थाई रैन बसेरों में लोगों के ठहरने के लिए है समुचित व्यवस्थाएं-अपर नगर आयुक्त

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / शहर में ठंड से बचाव हेतु जगह-जगह अलाव हेतु डाली जा रही है लकड़ियां बरेली । अपर नगर आयुक्त शशि भूषण ने बताया है कि शीत लहर के दृष्टिगत जनपद में अस्थाई रैन बसेरे बनाए गए हैं जहां लोगों के ठहरने के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई है। रैन बसेरों में लोगों को पहुंचने में असुविधा ना हो इस दृष्टि से नगर निगम मार्केट, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर दिशा सूचक बोर्ड लगवाये गये हैं।उन्होंने बताया कि सक्षम स्तर से समिति भी गठित की गयी है जो प्रतिदिन भ्रमण कर ठंड में बाहर सो रहे लोगों को रैन बसेरे में पहुंचाती है। ठंड से बचाव हेतु जगह-जगह अलाव की व्यवस्था के लिए जलौनी लकड़ियां भी डाली जा रही है। आमजन से अनुरोध किया है कि ठण्ड के मौसम खुले में सोने के बजाय रैन बसेरों में आश्रय लेना अपने स्वास्थ के प्रति आवश्यक है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सुन्दर कांड एवं हवन पूजन के साथ किया नव वर्ष का स्वागत - डॉ0 रजनीश सक्सेना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पूर्व वर्षों की भाँति इस वर्ष भी ऑल इंडिया रियल फॉर कल्चरल एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी / माँ गंगा बचाओ वेलफेयर सोसाइटी / महिला कल्याण समिति के संयुक्त तत्वावधान में अंग्रेजी नव वर्ष की पावन बेला पर नववर्ष महोत्सव 2026 के अंतर्गत संगीतमय सुंदरकांड एवं महाआरती का आयोजन प्राचीनतम बाबा श्री विश्वनाथ मंदिर निकट बैंकमा हाऊस, बरेली के प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रजनीश सक्सेना के नेतृत्व में एवं महानगर उपाध्यक्ष आशीष प्रधान के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर पंडित अमर शर्मा जी एवं साथियों के द्वारा संगीतमय सुंदर कांड, हवन पूजन, भजन संध्या के माध्यम से शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के महानगर प्रमुख मयंक साधु, वीरेन्द्र प्रसाद खंडेलवाल,वरिष्ठ भाजपा नेता गुलशन आनंद,शिव कुमार बरतरियां, विभाग प्रचारक धर्म जागरण समन्वय अमर सिंह परमार,सी एल शर्मा, योगेश कुमार पटेल, पंकज अग्रवाल, नीरज शर्मा, सी ए विनीश अरोरा ,दुर्गेश गुप्ता ,पूनम भल्ला,रचना सक्सेना,शशिकांत गौतम,आदि ने उपस्थित जनों को धर्म की महत्ता क्यों और कैसे विषय पर रूबरू कराते हुए सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। संचालन प्रदेश संयोजक सचिन श्याम भारतीय एवं महानगर उपाध्यक्ष आशीष प्रधान ने किया। इस अवसर पर संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रजनीश सक्सेना ने कहा कि नव वर्ष नई ऊर्जा और का प्रतीक है सुंदर कांड एवं हवन पूजन का आयोजन हमारी भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का

एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमारी सकारात्मकता और एकजुटता को बढ़ावा देता है। सभी ने एक दूसरे को आने वाले नव वर्ष में शांति, सौभाग्य, स्वास्थ्य, सम्पन्नता, और सामाजिक उन्नति के लिए बधाई दी।

मातृ शक्ति ने आयोजन में सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर धार्मिक आयोजनों में सहभागिता निश्चित ही हमें आंतरिक शक्ति प्रदान करती है तथा साथ ही हमारे परिवार के बच्चों को धर्म से जोड़े रखने के लिए अति आवश्यक है का संकल्प दिलाया गया। अंत में भव्य महाआरती के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया।कार्यक्रम में डॉ रजनीश सक्सेना, आशीष प्रधान,अंकुर सक्सेना,रचना सक्सेना,जीतेश राज पीलीभीती, आरव सक्सेना अंशु, श्वेता प्रधान, दिव्यांश प्रधान, मयंक प्रधान, रोहित सक्सेना, प्रियंका सक्सेना, विनय सक्सेना, अंजलि सक्सेना, राहुल कुमार सिंह, उत्तम सक्सेना, सौरभ सक्सेना, आरती सक्सेना, हरजीत कौर, गिरिश सक्सेना, शालू सक्सेना,, नीलम, रूबल, वीर, भगवान दास, शिवा, समर, युक्ति, राशि, शिवाय, मिस्टी, वंशिका, किंजल अग्रवाल, अनुष्का अग्रवाल, भगवती पाल, सौरभ सक्सेना, रेनू गुप्ता, गुड्डी, अशोक प्रधान आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। आभार संरक्षक सीएल शर्मा ने व्यक्त किया।

कोहरे और ठंड के चलते मुंबई-बरेली फ्लाइट कैंसिल, ट्रेनें पांच पांच घंटे लेट

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। दृश्यता शून्य होने के चलते इंडिगो ने मुंबई-बरेली फ्लाइट को कैंसिल कर दिया। 12:45 बजे बरेली एयरपोर्ट प्रबंधन को इस संबंध में सूचना दी गई। इसके बाद बरेली से जाने वाले 219 यात्रियों को फ्लाइट कैंसिल का अलर्ट मैसेज जारी किया गया। डायरेक्टर अवधेश कुमार अग्रवाल का कहना है, यह फ्लाइट भुवनेश्वर से ही प्रभावित हुई थी। भुवनेश्वर से मुंबई और मुंबई से बरेली फ्लाइट आती। अगर दो घण्टा देरी से फ्लाइट बरेली पहुंचती तो वापसी में और दिक्कत होती, इसलिए फ्लाइट को मुंबई से ही कैंसिल कर दिया गया। मुंबई से आने वाले भी 219 यात्री थे। यात्रियों का पैसा रिफंड किया गया। कुछ यात्रियों ने अगले शेड्यूल में अपना टिकट बरेली से मुंबई का ले लिया है। अधिक कोहरा होने के चलते ट्रेनों का संचालन भी 5-5 घंटे तक प्रभावित था। शुक्रवार को कुंभ, गरीबरथ ,अवध आसाम ,जननायक समेत तमाम ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 1 से 5 घंटे तक विलंब से चल रही थीं। रोडवेज बसों का भी संचालन प्रभावित हुआ। बस अपने गंतव्य पर समय से नहीं पहुँचीं। इसकी वजह से बस स्टैंड पर यात्रियों को दिक्कत हुई, हालांकि ठंड के कारण पैसेंजर की कमी भी देखी गई।

गांव राइट में दो पक्षों के बीच झड़प, चले लाठी-डंडे, पथराव, आधा दर्जन घायल, चार लोग लिए हिरासत में

गांव राइट में बच्चे खेल रहे थे। खेल-खेल में बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। झगड़ा कुछ ही देर में परिवार के बड़ों तक पहुंच गया। इसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। अलीगढ़ के लोधा थाना क्षेत्र में बच्चों के खेल के दौरान हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते बदल गया। लाठी-डंडों और

दो परिवारों के बीच हिंसक झड़प में हो गया। गली से लेकर छतों पथराव से गांव का माहौल तनावपूर्ण पक्षों के कई लोग घायल हो तक जमकर पत्थर चले, जिसमें दोनों पुलिस मौके पर पहुंची और गए। घटना की सूचना मिलते ही चार लोगों को हिरासत में लिया हालात को काबू में किया। पुलिस ने के गांव राइट में वसीम और है।प्राप्त जानकारी के अनुसार लोधा खेल में बच्चों के बीच झगड़ा इलियास के बच्चे खेल रहे थे। खेल- के बड़ों तक पहुंच गया। इसके हो गया। झगड़ा कुछ ही देर में परिवार दोनों पक्षों की ओर से लाठी- बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। मामले में दोनों ओर से करीब डंडों के साथ पथराव शुरू हो गया। रहे हैं।सूचना मिलते ही पुलिस आधा दर्जन लोग घायल बताए जा जिला अस्पताल में भर्ती मौके पर पहुंची और घायलों को कुमार गौतम ने बताया कि कराया। लोधा थाने के एसओ सुरेंद्र की जाएगी। फिलहाल घटना दोनों पक्षों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई से भागे बताए जा रहे हैं। पुलिस के बाद से दोनों परिवारों के लोग घर राइट से सूचना मिली कि बच्चों उनकी तलाश में दबिश दे रही है।गांव पक्षों में मारपीट व गाली के खेलने के दौरान झड़प होने से दो गलोज हो रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। - धन्नजय, सीओ गभाना

चारा काटने की मशीन से कटा बच्चे का हाथ, जेएन मेडिकल में छह घंटे की सर्जरी के बाद जुड़ा

राघव का हाथ चारा काटने की मशीन में फंस गया और कलाई के स्तर पर पूरी तरह कट गया। ढाई घंटे के भीतर परिजन उसे जेएन मेडिकल कॉलेज ले आए। राघव की हालत देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने तुरंत जांच शुरू कर दी।जेएन

मेडिकल कॉलेज के प्लास्टिक सर्जरी विभाग में छह घंटे की सर्जरी के बाद चार साल के राघव का कटा हाथ जुड़ गया। चारा काटने की मशीन में हाथ फंस जाने से कलाई से हाथ कट गया था।जिले के एक गांव निवासी रवींद्र का चार वर्षीय बेटा राघव उस समय गंभीर हादसे का शिकार हो गया, जब उसका हाथ चारा काटने की मशीन में फंस गया और कलाई के स्तर पर पूरी तरह कट गया। ढाई घंटे के भीतर परिजन उसे जेएन मेडिकल कॉलेज ले आए। राघव की हालत देखते हुए डॉक्टरों की टीम की टीम ने तुरंत जांच शुरू कर दी। प्राथमिक उपचार के बाद राघव को आपातकालीन ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। इसके बाद छह घंटे तक राघव की सर्जरी चली। प्लास्टिक सर्जरी विभाग की टीम ने माइक्रोसर्जरी के जरिये हड्डियों को कलाई से जोड़ा। नसें भी कट गई थीं, जिसे जोड़कर रक्त प्रवाह बहाल किया। सर्जरी के बाद बच्चे को आठ यूनिट रक्त चढ़ाना पड़ा।इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व डॉ. शेख सरफराज अली ने किया। उनके साथ रेजिडेंट डॉक्टर आर्येश कुमार गुप्ता, डॉ. फहद अंसारी, डॉ. आकांक्षा चौहान, डॉ. कानन कोहली रहे। एनेस्थीसिया टीम में डॉ. फरहा, डॉ. महविश और उनकी टीम ने अहम भूमिका निभाई। डॉ. शेख सरफराज अली ने बताया कि बच्चों में इस तरह की सर्जरी बेहद चुनौतीपूर्ण होती है, क्योंकि उनकी रक्त वाहिकाएं और ऊतक अत्यंत सूक्ष्म होते हैं। ढाई घंटे के बीच राघव को परिजन मेडिकल कॉलेज लाए। डॉक्टरों ने तुरंत सर्जरी की। सफल सर्जरी के बाद वह विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में फिजियोथेरेपी और पुनर्वास उपचार से गुजर रहा है। उम्मीद है कि आने वाले समय में उसका हाथ धीरे-धीरे सामान्य गतिविधियों में सक्षम हो सकेगा।-प्रो. एमएफ खुर्रम, अध्यक्ष, प्लास्टिक सर्जरी विभाग, जेएन मेडिकल कॉलेज

संक्षिप्त समाचार

वॉलीबॉल खेल महाकुंभ: सिगरा स्टेडियम में देशभर से 1022 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा, चार जनवरी से शुरू होगा मुकाबला

वाराणसी में चार जनवरी से सिगरा स्टेडियम के चार कोर्ट पर सीनियर नेशनल वॉलीबॉल का महाकुंभ शुरू होगा। आठ दिवसीय प्रतियोगिता में देश की 73 टीमों के 1022 महिला-पुरुष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वॉलीबॉल खेल महाकुंभ सिगरा के डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में चार जनवरी से शुरू होगा। इसमें हिस्सा लेने के लिए देशभर के खिलाड़ियों का दल बनारस पहुंचेगा। इसी क्रम में राष्ट्रीय टीम में हिस्सा लेने आए खिलाड़ियों का ट्रायल सिगरा स्टेडियम में हुआ। शिविर में हिस्सा ले रहे बालक-बालिका वर्ग के 18 खिलाड़ी आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में खेलेंगे। 73 टीमों के 1022 खिलाड़ियों को अलग-अलग होटलों में ठहराया जाएगा।यूपी टीम के खिलाड़ियों की अंतिम रूप से चयनित खिलाड़ियों की सूची शुक्रवार को जारी होगी। राष्ट्रीय प्रतियोगिता 4 से 11 जनवरी तक खेली जाएगी। यूपी की राष्ट्रीय शिविर में शामिल महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ी शिविर में प्रशिक्षण ले रहे हैं। चयन परीक्षण के दौरान आयोजन समिति के सदस्य मौजूद रहे। जिला सचिव सर्वेश पांडेय ने बताया कि हर खिलाड़ी को अपना हुनर दिखाने का पूरा मौका दिया जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश की टीम बेहतर प्रदर्शन करे। 18 खिलाड़ी चयन परीक्षण में हिस्सा ले रहे हैं। दक्षिण और उत्तर भारत के खिलाड़ी वॉलीबॉल में बढ़िया प्रदर्शन करते हैं। गति वाले खिलाड़ी ज्यादातर दक्षिण भारत जबकि ताकत वाले खेल में उत्तर भारत के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हमारी टीम में हर पोजीशन के लिए बेहतर खिलाड़ी हैं। स्टेडियम में खिलाड़ियों का प्रवेश होगा निशुल्क- मेयर अशोक कुमार तिवारी ने बताया कि चैंपियनशिप में प्रवेश निशुल्क होगा। दर्शकों को चेकिंग के बाद ही स्टेडियम में प्रवेश दिया जाएगा। दर्शक आसानी से प्रवेश कर सकें इसकी तैयारी की गई है। चैंपियनशिप के दौरान टीमों के खिलाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से काशी दर्शन कराया जाएगा। चैंपियनशिप में खिलाड़ियों को बनारसी नाश्ता भी परोसा जाएगा। देशभर से आए खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो इस के लिए हर टीम के साथ स्थानीय प्रबंधक लगाए जाएंगे।फुटबॉल मैदान में बन रहा वॉलीबॉल कोर्ट- राष्ट्रीय प्रतियोगिता चार कोर्ट पर खेली जाएगी। दो कोर्ट इंडोर में और दो आउटडोर फुटबॉल मैदान पर बनेंगे। वॉलीबॉल मैदान तैयार करने के लिए फुटबॉल मैदान से घास को हटाने का काम शुरू हो गया है। शनिवार तक मिट्टी का मैदान बनकर तैयार हो जाएगा। इंडोर में टेराफ्लेक्स से कोर्ट तैयार करने के लिए उत्तराखंड से मैट मंगाई गई है।

दरोगा से मारपीट के आरोप में पार्षद का बेटा गिरफ्तार, होटल संचालक पर हमला

वाराणसी जिले में चौक थाने से महज 50 मीटर दूर नववर्ष पर ड्यूटी के दौरान भीड़ नियंत्रण के दौरान एक दरोगा से मारपीट का मामला सामने आया। मामले में पार्षद का बेटा गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही कई अन्य घटनाएं घटीं।नववर्ष के मौके पर चौक थाना क्षेत्र में मणिकर्णिका द्वार के पास ड्यूटी कर रहे उपनिरीक्षक अभिषेक त्रिपाठी के साथ हुकुलगंज से भाजपा पार्षद बृजेश श्रीवास्तव के बेटे हिमांशु श्रीवास्तव ने मारपीट की। इस मामले में उपनिरीक्षक की तहरीर पर चौक पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इस दौरान सत्तापक्ष के नेता जुटे रहे, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई जारी रखी।चौक थाने को दी गई तहरीर में उपनिरीक्षक अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि नववर्ष पर लागू यातायात डायवर्जन के तहत उनकी ड्यूटी मणिकर्णिका गली, सत्य बाबा आश्रम मार्ग पर लगी थी। इसी दौरान घाट की ओर से बाइक पर सवार तीन युवक पहुंचे और जबरन आगे जाने की जिद करने लगे। भीड़ अधिक होने के कारण उन्हें कुछ देर रुकने को कहा गया। इसी बात पर एक युवक उत्तेजित हो गया और थप्पड़ मार दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई शुरू कर दी।

पुलिस ने युवक को भीड़ से बचाया और हिरासत में ले लिया, जबकि उसके दो साथी घाट की ओर भाग निकले। बताया गया कि तीनों युवक किसी दाह संस्कार में शामिल होने आए थे। डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। छानबीन की जा रही है।होटल संचालक पर पिस्टल से जानलेवा हमला-चितईपुर थाना क्षेत्र के सुसुवाही इलाके में बुधवार देर रात दबंगों ने एक होटल व्यवसायी पर पिस्टल तानकर जान से मारने की कोशिश की। पीड़ित की सतर्कता और कर्मचारियों की मदद से बड़ी घटना टल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से हथियार और कारतूस बरामद कर चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। चौबेपुर के छितौना गांव निवासी अंकित रघुवंशी सुसुवाही हैदराबाद गेट के पास दो होटल किराये पर लेकर संचालन करते हैं। अंकित ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह देर रात डाफी से अपनी फॉरच्यूनर गाड़ी से ड्राइवर के साथ होटल लौट रहे थे। क्षेत्र के एक स्कूल के पास पहुंचते ही पहले से घात लगाए कुछ युवकों ने उनकी गाड़ी रोक ली और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसी दौरान आयुष यादव निवासी सीर गोवर्धनपुर अपने साथियों सत्यम, करन यादव और दुर्गेश पांडेय के साथ मिलकर गाड़ी पर हमला करने लगा। जब अंकित ने मामले को शांत कराने की कोशिश की तो आयुष ने पिस्टल निकालकर उनके सीने पर सटा दी और जान से मारने की धमकी दी। हमलावरों ने फॉरच्यूनर गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। स्थिति बिगड़ती देख अंकित ने पास में स्थित अपने होटल के कर्मचारियों को फोन कर मौके पर बुला लिया। कर्मचारियों को आता देख आरोपी वहां से भागने लगे। घटना की जानकारी मिलते ही चितईपुर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। बाद में बाकी दो आरोपियों को भी पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। थाना प्रभारी राकेश गौतम ने बताया कि पुलिस ने सभी आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आंबेडकर पर अभद्र टिप्पणी से नाराज लोगों ने चार घंटे किया चक्काजाम, एक आरोपी गिरफ्तार- फूलपुर थाना क्षेत्र के नथईपुर गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र के साथ अभद्रता किए जाने के मामले में आरोपी की गिरफ्तारी न होने से नाराज सैकड़ों लोगों ने बृहस्पतिवार को नथईपुर चौराहे को चार घंटे तक जाम कर दिया। मौके पर पहुंची डीसीपी आकाश पटेल ने आक्रोशित लोगों को शांत कराया। वहीं, घटना में शामिल आरोपी गुलाब राजभर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया। बाकी आरोपियों की शिनाख्त कर ली गई है।आरोप है कि डॉ. आंबेडकर के चित्र का पुतला बनाकर अभद्रता करने और वीडियो बनाकर सोशल साइट पर पोस्ट किया गया था। इस मामले आजाद पार्टी के जिला प्रभारी लक्ष्मीकांत ने बुधवार को फूलपुर थाने में नथईपुर निवासी वीरेंद्र मिश्रा उर्फ बीरू समेत अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बृहस्पतिवार को आरोपितों की गिरफ्तारी न होने से नाराज भीम आर्मी, आजाद पार्टी, बसपा, सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सुबह दस बजे नथईपुर चौराहे को जाम कर दिया। मौके पर एसीपी पिंडरा प्रतीक कुमार, इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार सिंह पहुंचे लेकिन बात नहीं बनी। दोपहर दो बजे डीसीपी आकाश पटेल मौके पर पहुंचे और आरोपी की गिरफ्तारी का भरोसा दिया। इसके बाद लोग शांत हुए। डीसीपी आकाश पटेल ने बताया शिनाख्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। जल्द ही मुख्य आरोपी समेत अन्य की गिरफ्तारी की जाएगी। गाजीपुर में आठ, वाराणसी की दो फर्मों के लाइसेंस निरस्त- कोडीनयुक्त कफ सिरप की खरीद-बिक्री के जालसाजी के खेल में गाजीपुर की आठ और वाराणसी की दो फर्मों के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन पीसी रस्तोगी की ओर से यह कार्रवाई की गई है। इन फर्मों को पिछले दिनों नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा गया था। सहायक आयुक्त पीसी रस्तोगी ने बताया कि गाजीपुर में मौर्या मेडिकल स्टोर, महादेव मेडिकल एजेंसी, राधिका मेडिकल एजेंसी, अंश मेडिकल एजेंसी, नित्यांश मेडिकल एजेंसी, स्वास्तिक मेडिकल एजेंसी, शुभम फॉर्मा और अनन्या मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। वहीं, वाराणसी में शिवाय मेडिकल एजेंसी और श्री लोकेश फॉर्मा का लाइसेंस निरस्त हुआ है। मोबाइल चोरी का आरोपी गिरफ्तार- दशाश्वमेध पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले आरोपी ओम कुमार महतो (19), निवासी झारखंड को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से छह मोबाइल बरामद हुए, जिनकी कीमत पांच लाख रुपये आंकी गई। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह त्योहारों और भीड़भाड़ वाले स्थलों पर मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी कानपुर, रायबरेली, वाराणसी व अन्य स्थानों पर भी चोरी की वारदात कर चुका है। जुआ खेल रहे तीन युवक गिरफ्तार- थाना भेलूपुर पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 52 पत्तों की ताश की गड्डी और 1,200 रुपये नकद बरामद किए गए। थाना प्रभारी सुधीर कुमार त्रिपाठी ने बताया कि किरहिया स्थित अमरनाथ मौर्या के बाड़े के पास जुआ खेलने की सूचना मिली थी। दबिश देकर राम जी जायसवाल निवासी किरहिया, रवि यादव निवासी किरहिया और राजू चौधरी निवासी बड़ी गैबी को गिरफ्तार किया गया। दुकानदार के साथ मारपीट, प्राथमिकी दर्ज- लालपुर पांडेयपुर पुलिस ने दुकानदार विशाल पटेल के साथ मारपीट के आरोपी राजा, सेराज, सैकूल और पंकज के खिलाफ विशाल की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में विशाल पटेल ने बताया कि 1 जनवरी की शाम आरोपित शराब के नशे में दुकान पर आए और भुगतान करने से इनकार किया तथा मारपीट की। थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। दानपात्र से चोरी करने वाला पकड़ा गया- भेलूपुर पुलिस ने मंदिर के दानपात्र से चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी हुए पीली धातु के गिलास, लोटे, मूर्तियां सहित 5,750 रुपये नकद बरामद किए। थाना प्रभारी सुधीर कुमार त्रिपाठी ने बताया कि अभियुक्त की पहचान मनोज कुमार कनौजिया उर्फ मनोज धोबी, साकेतनगर के रूप में हुई। पूर्व में भी चोरी से संबंधित कई मुकदमे आरोपी के खिलाफ दर्ज हैं। कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार- चौबेपुर क्षेत्र के कादीपुर फ्लाईओवर ब्रिज के पास से बुधवार की रात कच्ची शराब के साथ दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान सुरेंद्र बनवासी निवासी चुमकुनी चौबेपुर व परपन चौहान निवासी सियरबारी थाना बिरनो गाजीपुर के रूप में हुई। थाना प्रभारी इंद्रेश कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। अपहरण व पॉक्सो एक्ट मामले में वांछित गिरफ्तार- अपहरण व पॉक्सो एक्ट से जुड़े मुकदमे में वांछित एक अभियुक्ता को थाना लालपुर पांडेयपुर पुलिस ने रसूलपुर मढ़वा से गिरफ्तार किया। इस मामले में पीड़िता को 28 दिसंबर को पुलिस ने बरामद किया था। शराब के नशे में मारपीट कर रहे छह युवक पकड़े गए नए साल पर सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में धुत होकर मारपीट करने वाले छह युवकों को चेतगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया। कोर्ट में पेश कर सभी को जेल भेज दिया गया। थाना प्रभारी विजय कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपियों को एक जनवरी को लहुराबीर स्थित बिल्फा बार के पास से पकड़ा गया। इनकी पहचान दशरथ सोनकर (25) निवासी राजघाट आदमपुर, आशीष निषाद (30) निवासी शीतला घाट कोतवाली, गौतम चौबे (21) निवासी गणवासी टोला चौक, राहुल पाण्डेय (29) निवासी काली द्वार मणिकर्णिका चौक, रजत कुमार (24) निवासी ब्रह्मनाल चौक और अनुज झा (29) निवासी धूपचंडी चेतगंज के रूप में हुई। अनियंत्रित थार डिवाइडर पर चढ़कर पलटी, दो युवक घायल

नव वर्ष पर माता की चौकी का शान दार आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) नए वर्ष के शुभ अवसर पर अशोका एनक्लेव मोटेरा अहमदाबाद में इंजीनियर अवीनिल कुमार रेजा सुनीता रेजा के पौत्र एवं असुल रेजा स्नेह रेजा के पुत्र आन्सी रेजा के भाई चिं शिवासं केजन्म की खुशी के मौके पर चुनचुन म्यूजिकल ग्रुप मुंबई के कलाकारों द्वारा माता की चौकी का शानदार आयोजन किया गया जो सात शाम से प्रारंभ होकर देर रात तक चलता रहा इस अवसर पर मुंबई से आए कलाकारों द्वारा एक से एक बढ़कर शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया आयोजित संपूर्ण कार्य क्रम का संचालन रमाशंकर गुप्ता द्वारा किया गया

वहीं आए हुए सभी सम्मानित अतिथियों का आभार संयुक्त रूप से इंजीनियर अनिल कुमार रेजा इंजीनियर राजीव कुमार रेजा इंजीनियर संजय कुमार रेजा ने व्यक्त किया इस अवसर पर मनोज गुप्ता ज्योति गुप्ता लकी गुप्ता विभा गुप्ता पारस गुप्ता रिया गुप्ता दिनेश गुप्ता छाया गुप्ता शुभम एवं प्रिया गोपाल एवं मेघा सहित अनेक शुभचिंतक एवं रिश्तेदार उपस्थित थे आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत अभिनंदन सुनीता रेजा अनिल रेजा ने किया

62वीं वाहिनीं एसएसबी, भिनगा के द्वारा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती कमान्डेंट 62वीं वाहिनी, एसएसबी, भिनगा के दिशा-निर्देशन में सीमावर्ती गांव ककरदारी एवं अशनहरिया में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में डॉ. इमरान खान, पशु चिकित्साधिकारी, सोनवा तथा वाहिनी की पशु चिकित्सा टीम के मुख्य आरक्षी हंसराज एवं आरक्षी सिद्धांत द्वारा ग्रामीणों को पशुओं के स्वास्थ्य से संबंधित निःशुल्क परामर्श प्रदान किया गया।

शिविर के दौरान 58 ग्रामीणों के कुल 366 पशुओं की स्वास्थ्य जांच की गई तथा आवश्यक दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया।

इस अवसर पर पशु चिकित्साधिकारी द्वारा पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा गया कि पशुओं का स्वास्थ्य सीधे परिवार की आजीविका से जुड़ा होता है। पशुओं का समय-समय पर टीकाकरण कराना, उनके रहने के स्थान की साफ-सफाई बनाए रखना, स्वच्छ पेयजल एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी प्रकार के रोग के लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए और स्वयं से दवाइयों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इससे पशुओं को गंभीर नुकसान से बचाया जा सकता है तथा दूध उत्पादन और पशुधन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है।

पशु चिकित्सा शिविर का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में पशुपालकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना, पशुओं में होने वाली बीमारियों की रोकथाम करना तथा ग्रामीणों को पशु स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। इस जनकल्याणकारी पहल से ग्रामीणों में संतोष और उत्साह का वातावरण देखने को मिला।

ग्रामीणों ने सशस्त्र सीमा बल द्वारा किए जा रहे इस सामाजिक सरोकार से जुड़े प्रयास की सराहना करते हुए बल के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग का समापन, 395 सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं को किया गया प्रमाण पत्र वितरित

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम का समापन समारोह माननीय पूर्व सांसद/जिला पंचायत अध्यक्ष की गरिमामय उपस्थिति में 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा की बाह्य सीमा चौकी तरुसमा में सम्पन्न हुआ।

यह कार्यक्रम कमान्डेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा के दिशा-निर्देशन में तथा ललेंद्र रत्नाकार, द्वितीय कमान अधिकारी (कार्यवाहक कमान्डेंट) एवं श्री गोबर्धन पुजारी, उप कमान्डेंट के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक उप निरीक्षक विजय राम द्वारा किया गया।

इस अवसर पर प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग में भाग लेने वाले 395 भारत नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र के युवा एवं युवतियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

समारोह को संबोधित करते हुए कार्यवाहक कमान्डेंट श्री ललेंद्र रत्नाकार ने अपने प्रेरणादायी भाषण में कहा कि सशस्त्र सीमा बल देश की सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ सीमावर्ती एवं ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। यह प्री-रिक्रूटमेंट ट्रेनिंग युवाओं को न केवल शारीरिक रूप से सक्षम बनाती है, बल्कि उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास एवं राष्ट्र सेवा की भावना भी विकसित करती है। यदि युवा निरंतर परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें, तो निश्चित रूप से वे बल में चयनित होकर देश सेवा का गौरव प्राप्त करेंगे।

उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए आगामी भर्तियों के लिए पूरी निष्ठा और लगन से तैयारी करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि पूर्व सांसद/जिला पंचायत अध्यक्ष श्री दद्दन मिश्रा जी ने एसएसबी द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए किए जा रहे इस प्रकार के कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण उपरांत आज उपस्थित युवाओं में जोश और जज्बा देखने को मिला है उसके लिए एसएसबी बधाई के पात्र है। मुझे आज इस कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ और इतनी बड़ी संख्या में युवाओं से मिलने का सौभाग्य प्राप्त इसीलिए में अपने आप को गौरवान्ति महसूस कर रहा हूं। मैं कमाडेंट 62वीं वाहिनी का आभार व्यक्त करता हूं कि आप सीमावर्ती युवाओं/नागरिकों को सही दिशा देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। तत्पश्चात सभी प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए प्रमाण पत्र मिलने के पश्चात युवाओं के चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखने को मिली । कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। सभी प्रशिक्षित युवाओं ने सशस्त्र सीमा बल में भर्ती होकर राष्ट्र सेवा करने का संकल्प लिया।

समापन समारोह के दौरान श्री उदय नारायण त्रिपाठी, पूर्व जिला अध्यक्ष, अन्य जनप्रतिनिधि, एसएसबी के अधिकारी, गोवर्धन पुजारी, उपकमांडेंट, अमित शर्मा सहायक कमांडेंट, राजकुमार सहायक कमांडेंट, एच नाभा चन्द्र, सहायिक कमांडेंट प्रगटा साई, सहायक कमांडेंट एवं क्षेत्र के सम्मानित ग्रामीण उपस्थित रहे ।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ द्वारा शिवपुरी वासियों को उनके खोए हुये मोबाइल वापस लौटाकर नववर्ष मे बांटी खुशियां।

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा /सायबर सेल शिवपुरी द्वारा लोगों के चोरी/खोये हुये 150 मोबाईल कीमती लगभग 28 लाख रुपये के वापिस प्राप्त कर लोगों को वितरित किये गये। शिवपुरी- शिवपुरी सायबर सेल ने जिले मे लोगों के खोये हुये मोबाइलों को प्राप्त करने मे बड़ी सफलता हांसिल की है एवं शिवपुरी वासियों को नववर्ष पर खुशियां बांटी। शिवपुरी सायबर सेल द्वारा शिवपुरी जिले के आमजन के 150 मोबाइल कीमती करीबन 28 लाख रुपये के बरामद किये हैं जिन्हें आज दिनांक 02.01.2026 को सायबर सेल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रुम शिवपुरी मे आमजन को सुपुर्द किया।

शिवपुरी सायबर सेल द्वारा लोगों के प्राप्त आवेदनों पर खोये हुये मोबाइलों को बापस प्राप्त करने हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं, जिससे लोगों के खोये हुये मोबोइल उन्हें वापस मिल सकें ।

शिवपुरी पुलिस के सतत प्रयासों से 150 खोये हुये मोबाइलों को वापस प्राप्त करने मे सफलता हांसिल की है। लोगों द्वारा सूचना दी गई थी की उनके मोबाइल अलग-अलग जगह पर अलग अलग समय अंतराल मे गुम/गिर गये हैं, पुलिस द्वारा संज्ञान लेते हुये एवं सायबर टीम की मदद लेते हुये राज्य के विभिन्न जिलों एवं अन्य राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा एवं दिल्ली से खोए हुये मोबाइल वापस प्राप्त कर मोबाइल मालिकों को बापस मिल पाये हैं, जिनकी कीमत करीबन 28 लाख रुपये है ।

आमजन मे इस बात की खुशी है कि उनके खोये हुए मोबाइल भी मिल सकते हैं और पुलिस द्वारा खोए/गुम हुए मोबाइलों की बरामदी हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। सायबर सेल शिवपुरी द्वारा विगत वर्ष 2025 में भी करीब 700 मोबाइल फ़ोन बरामद कर लोगों को वापिस दिये गये हैं।

उक्त कार्यवाही मे मुख्य भूमिका सायबर सेल प्रभारी उनि धर्मेन्द्र सिंह जाट, सउनि अजय पाल, प्रआर. विकास सिंह चौहान, आर.आलोक व्यास,आर दामोदर परिहार, आर. मानवेन्द्र गुर्जर,आर. जलज रावत आर. भूपेन्द्र यादव की सराहनीय भूमिका रही है।

सेना कैंप में लगी अचानक आग, मची अफरा-तफरी, जवानों के साथ फायर सर्विस की टीम बुझाने में जुटी

ज्योर्तिमठ में सेना कैंप में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग काफी बड़े क्षेत्र में फैलने से बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। चमोली जिले के ज्योर्तिमठ में औली रोड के समीप सेना कैंप में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से जवानों के साथ ही फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची आग इतनी विकराल हो गई कि इसे बुझाने में काफी में लगी आग काफी बड़े क्षेत्र में फैली है, जिसके कारण की टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। स्टोर था, जिसमें प्लास्टिक का समान था। यहां खेत भी है कारण आग विकराल हो गई थी। अब धीरे-धीरे आग पर

यहां अफरा-तफरी मच गई। सेना के और आग बुझाने में जुट गई, लेकिन मशक्कत करनी पड़ रही है। सेना के कैंप इसे बुझाने में जवानों और फायर सर्विस मिली जानकारी के अनुसार यह सेना का जहां सुखी घास थी। तेज हवा चलने के काबू पाने की कोशिश की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

बंगलादेश में हिंदु ओं की हत्या के विरोध में विरोध प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ गुलाबी गिरोह सेना की कमांडर अंजू शर्मा अगुवाई में ज्ञापन दिया कोंच(जालौन) आज शुक्रवार को तहसील परिसर में बंगलादेश देश में हिंदुओं की हो रही निर्मम हत्या के विरोध में गुलाबी गिरोह सेना ने जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की इस अवसर पर गुलाबी गिरोह की कमांडर अंजू शर्मा की अगुवाई में एसडीएम ज्योति सिंह को इसी मामले को लेकर एक ज्ञापन सौंपा इस अवसर पर प्रदर्शन कर रही गुलाबी गिरोह की महिला ओं ने जोरदार प्रदर्शन कर खूब बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी कर अपना गुस्सा जताया ज्ञापन के माध्यम से भारत सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की इस अवसर पर गुलाबी गिरोह की से जुड़ी तमाम महिलाए मौजूद रहीं

संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे में लटका मिला महिला का शव

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। क्षेत्र के कस्बा इकौना स्थित मोहल्ला कबीर नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में एक महिला का शव छत के कुंडे से फंदे में लटका मिला। परिजनों ने घटना की सूचना इकौना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। थाना इकौना क्षेत्र के कस्बा इकौना स्थित मोहल्ला कबीर नगर निवासी मीरा (26) पत्नी हरीश कश्यप का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सुबह घर के अंदर छत के कुंडे से फांसी के फंदे में लटका पाया गया। सुबह सोकर उठने पर बच्चों ने कमरे में कमरे मे झांक कर देखा कि दरवाजा अंदर से बंद है और कर बच्चे रोने लगे। बच्चों के रोने की आवाज सुनकर दूसरे कमरे में सोए पति व घर के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे और कमरे का दरवाजा तोड़ा तो महिला का शव फंदे से लटक रहा था घटना की सूचना पुलिस व मायके पक्ष को दी गई। सूचना पर मायके पक्ष के साथ ही इकौना सीओ भरत पासवान, थाना प्रभारी निरीक्षक परमानन्द तिवारी पुलिस व फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य संकलित किया। साथ ही पुलिस ने शव को उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया। कि मीरा की शादी आठ वर्ष पहले हरीश के साथ हुई थी जिसके तीन बच्चे हैं।

सड़क सुरक्षा माह का जिलाधिकारी ने किया शुभारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच /अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। भिनगा जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा माह का कलेक्ट्रेट परिसर से शुभारम्भ किया एवं जन जागरुकता प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया इस दौरान जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु सड़क सुरक्षा शपथ भी दिलायी। इस अभियान के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जायेगा जिससे आये दिन होने वाली सडक दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने में विशेष मदद मिलेगी। जिलाधिकारी ने यातायात नियमों का पालन किये जाने तथा जन जागरुकता पर विशेष बल देते हुए कहा कि 18 वर्ष से कम बच्चों को वाहन न चलाने दें, मोटर साईकिल व स्कूटर चलाते समय हेलमेट एवं चार पाहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट जरूर लगायें। उन्होने मोबाइल कहा कि नशे की हालत में एवं पर बात करते हुए वाहन न चलाये तथा तेजगति से वाहन न चलाये और स्टंट आदि बिलकुल न करें। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान में जिस विभाग को जो जिम्मेदारी दी गयी है वह उसे पूरी निष्ठा से पालन करते हुए इसे सफल बनायें। उन्होने इस कार्यक्रम से जुड़े सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ इस अभियान को सफल बनाये जाने हेतु निर्देशित भी किया। जिलाधिकारी ने सभी जनपद वासियों से अपील किया है कि जीवन को सुरक्षित रखने हेतु वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन अवश्य करें। उन्होने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के अन्तर्गत परिवहन विभाग के साथ पुलिस लोक निर्माण, शिक्षा, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रतिदिन विद्यालयों, नगरीय निकायों एवं ब्लाक स्तर पर सड़क सुरक्षा के प्रति कार्यक्रम आयोजित कर आम जनमानस को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम मे मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी विनीत कुमार मिश्र, यात्रीकर अधिकारी महेश वर्मा, यातायात प्रभारी सहित परिवहन विभाग के अन्य सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

Eat just one plate of papaya daily and alleviate illnesses. Learn its 7 hidden benefits.

We often think of papaya as a cure for stomach problems, but did you know that this fruit is a boon for health? Nutrients like vitamin C, fiber, and the papain enzyme present in it cleanse the body from within. Let's explore its 7 and relieves stomach problems. Papaya papaya strengthens the immune system. for its surprising benefits. It contains papain, which provide energy to the body health. Papaya is considered a treasure prove beneficial for health in many ways. will surprise you. Good for digestion - The good digestion. If you're experiencing acidity, or heaviness, papaya will act as a potassium, and antioxidants in papaya help and high blood pressure. Therefore, you Effective for weight loss: If you want to lose calories and high fiber content keep you full making the weight loss journey easier. Keep eat papaya on an empty stomach every reduces wrinkles, blemishes, and acne. for eyesight- Papaya is no less than a boon Vitamin A and beta-carotene, which helps problems. Immunity booster fruit- Pita is

incredible benefits. Papaya strengthens digestion aids weight loss and brightens the skin. Eating Papaya is known not only for its sweet taste but also nutrients like vitamin C, fiber, antioxidants, and throughout the day and are also very beneficial for trove of health. Including papaya in breakfast can Let's explore seven benefits of eating papaya that papain enzyme found in papaya helps maintain stomach-related problems like gas, constipation, natural remedy. Beneficial for the heart - The fiber, control cholesterol, reducing the risk of heart attack should definitely include papaya in your daily diet. weight quickly, include papaya in your diet. Its low for longer. This prevents frequent hunger pangs, your skin glowing and youthful - For a natural glow, morning. It helps remove toxins from the skin and Also, it is full of anti-ageing properties. Beneficial for people with eye-related problems. It is rich in in improving eyesight and prevents age-related eye rich in Vitamin C, A and antioxidants, which strengthens the body's immune system. This fruit is very beneficial for prevention of diseases in changing weather. Keep the body energetic- If you often feel tired and weak, then definitely eat papaya in the morning breakfast. Papaya increases the body's energy level and helps in improving liver function by cleansing the body from inside.

Which city in India is called the 'City of Honey'... Do you know its name?

There are many places around the world that are famous for their unique identities. Some places are known for their delicious food, others for their culture or natural beauty. But did you know that there is a district in Uttar Pradesh that is of Honey'. It is a major 'honey hub' in eastern Uttar Each city has its own unique story. Some places around are known for their rich culture and natural beauty. 'sweetness'? Maharajganj district in Uttar Pradesh is fragrance of flowers and the humming of bees in the beekeeping, this district has earned the prestigious title major "honey hub" of eastern Uttar Pradesh. Let's find the "sweet spot" of Uttar Pradesh. Maharajganj is the district of Uttar Pradesh is famous for its large-scale people, this is not just a job, but an important part of related products provide a good income. This has made Maharajganj didn't earn this name without reason. The location: This district is near the India-Nepal border Flowers, fields, and natural greenery prevail here mustard, fruit trees, and lush villages abound here. This environment for bees to thrive and produce honey. How techniques are used for honey production in orchards, and forests. Bees collect nectar from various wildflowers—this is why the district is known for its

called the 'City of Honey'? Maharajganj is called the 'City Pradesh. Its honey is exported domestically and abroad. the world are famous for their delicious food, while others But have you ever heard of a city named after its one such special place. The air here is filled with the fields. Due to its large-scale honey production and of "City of Honey." Yes, this city is not just a place, but a out what makes Maharajganj so special that it makes it "honey hub" of eastern Uttar Pradesh - Maharajganj honey production and beekeeping. For local farmers and their lifestyle and economy. Honey, wax, and other bee- it a major "honey hub" of eastern Uttar Pradesh. environment here is perfect for bees: Geographical and part of the Gorakhpur division. Natural greenery: throughout the year. Crops and Orchards: Sugarcane, fertile land and favorable climate provide an excellent is honey produced here? Both traditional and modern Maharajganj. Farmers place their bee boxes near fields, sources, such as mustard, litchi, sunflower, and "multi-flower honey," renowned for its natural flavor and purity. Demand is also prevalent domestically and abroad: Uttar Pradesh is one of India's major honey-producing states, with districts like Maharajganj and Saharanpur playing a significant role. Good harvests, favorable weather, and government support have greatly boosted honey production here. Honey is not limited to local markets. Honey is exported from India to Europe, the Gulf countries, and Southeast Asia, and Maharajganj plays a significant role in this trade.

Not Shimla or Manali, this is India's coldest place, where beards and eyelashes freeze.

While the whole of India shivers in temperatures of 5 degrees, the mercury in Drass, Ladakh, plummets to -40 degrees. This place, colder than a deep freezer, is famous not only for its harsh winters but also for its population. Let's learn about this coldest temperatures drop from -20°C to -40°C. It is connected to approaches, news about the cold begins to spread across the while in Shimla and Srinagar, minus degrees and snowfall make North India, these are not the coldest places in the country. Let's in India - Let us tell you that the coldest place in India is Drass in known for its harsh winters. You will be surprised to know that is usually set. The temperature here will surprise you - According remains between -20°C and -25°C. Not only this, sometimes it hair to freeze during winter. Frozen valley went viral on social of Drass, in which the entire village was seen covered in a blanket harsh that wet clothes can freeze in no time. Dras is inhabited fully inhabited. According to reports, Dras has a population of to reach Dras? - Dras is not completely isolated. It is connected

place in India. Drass, in Ladakh, is India's coldest place. Winter National Highway 1 and has many tourist destinations. As winter country. In Delhi, temperatures of 5 degrees make people shiver, headlines. But despite the cold in the plains and hill stations of learn about the coldest places in India. Drass is the coldest place Ladakh, located about 64 kilometers from Kargil. This area is the temperature here drops below the level at which a deep freezer to reports, every year during winter in Drass, the temperature can even drop to -40°C. It is considered common for beards and media - Recently, travel influencer Kanishk Gupta shared a video of snow. However, he also warned that the weather here is so despite its harsh challenges - Despite the harsh weather, Dras is approximately 22,000, including Baltic and Nordic tribes. How to Kargil and Srinagar via National Highway 1. However, this road is closed during winter due to heavy snowfall. If you are planning to visit Dras, you can fly to Srinagar or Leh. From there, you can reach Dras by taxi. The nearest railway station is Jammu Tawi, about 386 kilometers from Dras. Accommodation and Travel Options - Despite being the coldest place in India, Dras has ample accommodation facilities. Many tourists stay in Kargil and visit Dras for a day. The temperature here doesn't exceed 25°C, even during the summer and monsoon. There are many places to visit around Dras, including Zojila Pass, the Dras War Memorial, Draupadi Kund, Mushko Valley, Stagsbu, and Ningur Mosque. If you'd like to learn more about the 1999 Kargil War, the Brigade War Gallery is a great option.

Dhurandhar's New Year's Eve fireworks rock the box office, becoming the first Hindi movie to reach double-digit earnings.

Dhurandhar, starring Ranveer Singh and Akshaye Khanna, has created box office history. It has become the first Hindi film to reach double-digit earnings on its 28th day. Starring Ranveer Singh and Akshaye Khanna, Dhurandhar has created box office history. It has become the first Hindi film to reach double-digit earnings on its 28th day. Directed by Aditya Dhar, the spy thriller Dhurandhar has ushered in the New Year with a bang. After breaking records in 2025, the film has now entered the new year with a new record. Starring Ranveer Singh, Akshaye Khanna, Sanjay Dutt, R. Madhavan, and Arjun Rampal, Dhurandhar has been garnering praise from critics and audiences since its release. You can gauge how much the audience is liking this film from its earnings. Even after 28 days, the film's earnings don't seem to be slowing down. Dhurandhar becomes the first Hindi movie to earn double digits - Dhurandhar has surpassed films like Jawaan and Stree 2 and has become the second highest-grossing Indian film and the first Hindi film. Dhurandhar's record-breaking spree didn't stop there. It has become the first Hindi film to earn double digits at the box office by its 28th day. Dhurandhar makes another splash on New Year's Day - According to SacNilk, on the occasion of New Year's Day, Dhurandhar earned ?15.75 crore at the domestic box office on the 27th day were also the 28th day. Earnings on film's total earnings have now around ?12 crore. The crore. Dhurandhar is this far reached close to ?781 Pushpa 2 - Earlier, the film behind in surpassing digits was Telugu thriller which earned in double film had earned less than Pushpa 2. However, this had done a business of 10.50 Dhurandhar. Pushpa 2 28th day (1 January 2025). crores in Hindi on the Dhurandhar has surpassed Currently, Hindi collection. Now it has Pushpa 2 in day wise will surpass Pushpa 2 in all time collection and occupy the number 1 position. The all time collection of Pushpa 2 is 830.10 crores. to be seen when the film

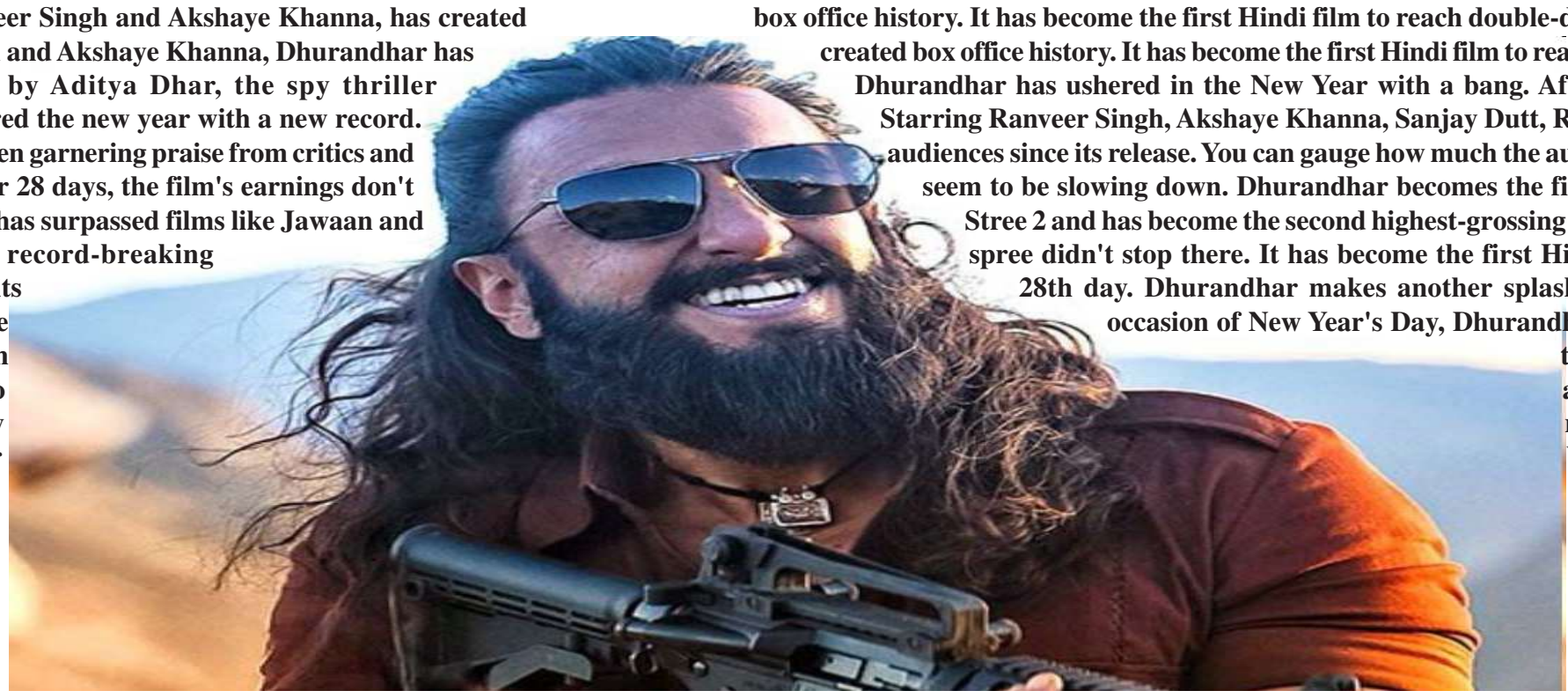

Mourning descends on New Year's Eve! The daughter of this famous actor was found dead in a hotel room. What caused her death?

Bad news has emerged from the film industry, especially on New Year's Eve. The daughter of a well-known actor was found dead in a hotel room. This news has dealt a severe blow to the industry. Learn how the death occurred. Famous actor's daughter passes away - Actor's daughter found dead in hotel room - Body found at midnight on New Year's Eve. Mourning descends on the home of a famous actor in the film industry on New Year's Eve. Following the death of Arjun Bijlani's father-in-law, the daughter of a famous actor has died. She was found dead in a hotel room on New Year's Eve. This famous actor is Tommy Lee Jones. Tommy Lee Jones' daughter, Victoria Jones, is no more. She was found dead in a luxury hotel in San Francisco. Tommy Lee Jones's body was found around 3:14 am on Thursday, New Year's Day. According to NBC Bay Area, a woman's body was found in the hallway of San Francisco's Fairmont Hotel on Thursday morning, prompting the San Francisco Police Department to respond. Paramedics pronounced the victim dead. Victoria found dead at the hotel - According to a TMZ report, a police source stated that the victim was 34-year-old Victoria Jones, daughter of Oscar-winning actor Tommy Lee Jones. Police do not suspect foul play at this time. No information has yet been released regarding the actress's death, with some reports suggesting suicide. Official confirmation is awaited. Who was Victoria Jones? - Victoria Jones, daughter of Oscar-winning actor Tommy Lee Jones, was also a prominent figure in the acting world. According to IMDb, she appeared in her father's film, Men in Black 2. She was 34 years old and avoided the limelight. 79-year-old Tommy Lee Jones is a famous Hollywood actor who has worked in films like the Men in Black franchise, Under Siege, Natural Born Killers, The Client and Batman Forever.

"Have you gone mad?" Akshaye Khanna repeatedly rejected Dhurandhar; then he became "Rahman the Dacoit"

Akshay Khanna is receiving a lot of praise for Dhurandhar. He immersed himself in the role of Rahman the Dacoit so much that he's been the talk of the town. However, did you know that the actor initially refused to do the film? Find out how he was cast. Akshay Khanna received a lot of praise for Dhurandhar. Mukesh Chhabra approached Akshay Khanna - Akshay met with Aditya Dhar for four hours. "Have you gone mad?" These were the words of Akshay Khanna, who reprimanded casting director Mukesh Chhabra upon receiving the offer for Dhurandhar. Yes, when Akshay Khanna was first offered Dhurandhar, he wasn't particularly excited about playing Rahman the Dacoit. When Mukesh Chhabra called Akshay for the role, the actor lashed out at him. Now, casting director Mukesh Chhabra has revealed why he initially agreed to do the film after rejecting it. Ranveer was cast before Akshay. Mukesh Chhabra revealed in a recent interview that Ranveer Singh had already been selected before he joined the casting for Dhurandhar. The rest of the casting rested on his shoulders. Even the smallest details of the casting were handled with great care. He had a strong idea about the casting and wanted Akshay Khanna in the film. Akshay Khanna was not convinced for Dhurandhar. When Mukesh Chhabra proposed the idea of ??casting Akshay Khanna to the makers, the makers were unsure if he would agree to it. Convincing Akshay for the film was also difficult, as he is very selective about his projects. In a conversation with India Today, the casting director revealed, "I said, 'Akshay paaji will do it,' and then we all agreed." Akshay spoke with Aditya Dhar for four hours. Mukesh recounted Akshay Khanna's reaction when he first offered him the film. He said, "To be honest, I hadn't even seen 'Chhawa' yet. But I called him. He scolded me at first. He said, 'Have you gone mad?' I told him to at least listen to me once." Mukesh persuaded him and convinced him to meet. Then Akshay Khanna met him and Aditya Dhar. According to Mukesh Chhabra, "I asked him to come to the office. He said, 'I don't even live here. Tell me where to come?' He came and sat for four hours. He listened quietly. He smoked a cigarette. When we finished talking, he said, 'Hey, man, this is great.' Then he said, 'Great, man. It'll be a lot of fun.'"